2022 में संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण का विश्लेषण

संविधान के तहत हर कैलेंडर वर्ष में संसद की पहली बैठक में राष्ट्रपति का संबोधन होता है। इस संबोधन में राष्ट्रपति द्वारा सरकार की प्रमुख नीतिगत प्राथमिकताओं को रेखांकित किया जाता है। इस नोट में 31 जनवरी, 2022 को राष्ट्रपति के अभिभाषण के मुख्य विषयों और उन विषयों से संबंधित कदमों की मौजूदा स्थिति को प्रस्तुत किया जा रहा है (27 जनवरी, 2023 तक उपलब्ध आंकड़ों पर आधारित)।[1] आंकड़ों के स्रोत एंड नोट्स में दर्ज किए गए हैं।

अर्थव्यवस्था एवं वित्त

नीतिगत घोषणा: *चालू वित्त वर्ष के पहले सात महीनों में 48 बिलियन USD का प्रवाह इस बात का प्रमाण है कि भारत के विकास में विश्वस्तरीय निवेशक समुदाय का विश्वास है। भारत का विदेशी मुद्रा भंडार आज 630 अरब USD से अधिक हो गया है।*

- **एफडीआई:** 2021-22 के पहले सात महीनों (अप्रैल-अक्टूबर) में एफडीआई प्रवाह 32 बिलियन USD रहा, जबकि 2020-21 और 2019-20 में इसी अवधि के दौरान यह क्रमशः 34 बिलियन USD और 32 बिलियन USD रहा।[2]

तालिका 1: 2015-16 और 2021-22 के बीच शुद्ध एफडीआई (बिलियन USD में)

मानदंड	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
शुद्ध एफडीआई	36.0	35.6	30.3	30.7	43.0	44.0	38.6	20.2
भारत में प्रत्यक्ष निवेश	44.9	42.2	39.4	43.3	56.0	54.9	56.2	27.9
भारत में प्रत्यक्ष निवेश में वर्ष दर वर्ष वृद्धि	27.3%	-6.0%	-6.6%	9.8%	29.3%	-1.9%	2.4%	-

नोट: 2022-23 के आंकड़े अप्रैल से सितंबर 2022 तक के हैं। स्रोत: वार्षिक विदेशी निवेश प्रवाह, भारतीय अर्थव्यवस्था पर डेटाबेस, आरबीआई; पीआरएस।

- **विदेशी मुद्रा भंडार:** जनवरी 2023 तक विदेशी मुद्रा भंडार 562 बिलियन USD पर पहुंच गया जोकि जनवरी 2022 में 633 बिलियन USD के मुकाबले 11% कम है।[3]

तालिका 2: प्रत्येक वर्ष जनवरी में विदेशी मुद्रा भंडार

मानदंड	2016	2017	2018	2019	2020	2021	2022	2023
विदेशी मुद्रा भंडार (बिलियन USD में)	350	359	411	396	461	585	633	562
पिछले वर्ष से परिवर्तन का %	10%	3%	14%	-4%	16%	27%	8%	-11%

नोट: भंडार हर वर्ष जनवरी के पहले सप्ताह में दर्ज राशि है।

स्रोत: विदेशी मुद्रा भंडार, भारतीय अर्थव्यवस्था पर डेटाबेस, आरबीआई; पीआरएस।

नीतिगत घोषणा: *अप्रैल से दिसंबर 2021 के दौरान हमारा माल-निर्यात 300 अरब USD यानी 22 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा जो 2020 की इसी अवधि के मुकाबले डेढ़ गुना ज्यादा है।*

- **विदेशी व्यापार:** 2021-22 में भारत का निर्यात 422 बिलियन USD था। 2016-17 और 2021-22 के बीच निर्यात 9% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ा। इसी अवधि के दौरान आयात 10% सीएजीआर से बढ़ा।[4]

तालिका 3: 2016-17 से 2021-22 तक वार्षिक व्यापार के आंकड़े (बिलियन USD में)

वर्ष	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
निर्यात	276	304	330	313	292	422
आयात	384	466	514	475	394	613

स्रोत: विदेशी मुद्रा भंडार, भारतीय अर्थव्यवस्था पर डेटाबेस, आरबीआई; पीआरएस।

तन्वी विप्रा
tanvi@prsindia.org
निरंजना मेनन
niranjana@prsindia.org

28 जनवरी, 2023

- **भुगतान संतुलन**: भारत ने पिछले पांच में से चार वर्षों में चालू खाता घाटा दर्ज किया, जो मुख्य रूप से वस्तु व्यापार में घाटे के कारण था।[5] हालांकि, पूंजी खाता अधिशेष के कारण कुल शेष राशि सकारात्मक बनी हुई है। 2021-22 में चालू खाता शेष GDP का -1.2% था, जबकि पूंजी खाता शेष GDP का 0.7% था। 2021-22 में आयात आवरण 12 महीने रहा। 2019-20 (12 महीने) और 2018-19 (10 महीने) में स्थिति लगभग समान थी।[6]

तालिका 4: भारत के भुगतान संतुलन (बीओपी) की स्थिति (बिलियन USD में)

बीओपी घटक	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
मौजूदा खाता	-49	-57	-25	24	-39
पूंजी खाता	92	54	84	63	86
समग्र संतुलन	44	-3	59	87	48

स्रोत: भारत के भुगतान संतुलन के प्रमुख घटक, भारतीय अर्थव्यवस्था पर डेटाबेस, आरबीआई; पीआरएस।

नीतिगत घोषणा: *पिछले कई महीनों के दौरान जीएसटी संग्रह लगातार 1 लाख करोड़ रुपए से अधिक बना हुआ है।*

- 2022 में औसत मासिक सकल जीएसटी संग्रह 1.46 लाख करोड़ रुपए था।[7] अप्रैल 2022 में सकल जीएसटी संग्रह 1.67 लाख करोड़ रुपए था जो 2017 में अप्रत्यक्ष कर व्यवस्था के कार्यान्वयन के बाद से सबसे अधिक था।[8] जीएसटी राजस्व प्राप्ति पूर्व-जीएसटी व्यवस्था (जीएसटी के तहत सम्मिलित करों के लिए) से कम रही है; जो 15वें वित्त आयोग के अनुसार संरचनात्मक और परिचालनगत, दोनों कारणों से था।[9]

तालिका 1: कुल जीएसटी संग्रह और केंद्र सरकार का जीएसटी राजस्व (लाख करोड़ रुपए में)

वर्ष	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
जीएसटी संग्रह	7.2	11.8	12.2	11.4	14.9	13.4+
जीएसटी राजस्व	4.4	5.8	6.0	5.5	6.8*	7.8**

नोट: 15वें वित्त आयोग के सुझावों के अनुसार, केंद्रीय रूप से एकत्रित कर का 41% हिस्सा राज्यों को हस्तांतरित किया जाता है। जीएसटी संग्रह केंद्र द्वारा एकत्र किए गए कर को संदर्भित करता है, और जीएसटी राजस्व एकत्रित कर में केंद्र के हिस्से को संदर्भित करता है।
*संशोधित अनुमान **बजट अनुमान +संग्रह दिसंबर 2022 तक है। स्रोत: केंद्रीय बजट दस्तावेज; पीआईबी; पीआरएस।

नीतिगत घोषणा: *44 करोड़ से अधिक गरीब लोगों के बैंकिंग प्रणाली में शामिल होने के साथ, महामारी के दौरान करोड़ों लोगों को सीधे नकद अंतरण से लाभ हुआ।*

- 2014 में प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) शुरू होने के बाद से, 1.83 लाख करोड़ रुपए (18 जनवरी, 2023 तक) की कुल जमा राशि के साथ 47.9 करोड़ खाते खोले गए हैं।[10] इनमें से 67% खाते ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं।[10]

तालिका 6: पीएमजेडीवाई के तहत खोले गए खाते (प्रत्येक वर्ष के अंतिम बुधवार तक)

मानदंड	दिसंबर 2017	दिसंबर 2018	दिसंबर 2019	दिसंबर 2020	दिसंबर 2021	दिसंबर 2022
खातों की संख्या (करोड़ में)	30.79	33.66	37.77	41.58	44.23	47.84
जमा (करोड़ रुपए में)	71,501	86,321	1,09,259	1,35,084	1,50,939	1,80,857

स्रोत: पीएमजेडीवाई प्रोग्रेस रिपोर्ट; पीआरएस।

- 2013-14 से जनवरी 2023 तक 27.8 लाख करोड़ रुपए के संचयी लाभ प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से हस्तांतरित किए गए हैं।[11] सार्वजनिक वितरण प्रणाली, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी और प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण जैसी विभिन्न योजनाओं के माध्यम से हस्तांतरण किए जाते हैं। 2022-23 में (जनवरी 2023 तक) 310 योजनाओं के तहत डीबीटी के माध्यम से लाभार्थियों को 5.1 लाख करोड़ रुपए हस्तांतरित किए गए हैं। सरकार के मुताबिक, इससे 2.23 लाख करोड़ रुपए की बचत हुई है।[12]

तालिका 7: डीबीटी के जरिए संवितरित राशि

वर्ष	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23*
लाभार्थी (करोड़ में)	31	36	124	129	145	180	179	161
संवितरित राशि (करोड़ रु. में)	61,942	74,689	1,90,871	3,29,796	3,81,631	5,52,527	6,30,264	5,14,014

* 2022-23 के लिए डेटा 19 जनवरी, 2023 तक का है। स्रोत: डीबीटी वेबसाइट; पीआरएस।

नीतिगत घोषणा: *दिसंबर 2021 में यूपीआई के जरिए देश में 8 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का लेनदेन हुआ है।*

- 2022-23 (दिसंबर 2022 तक) में 100 लाख करोड़ रुपए के लगभग 6,000 करोड़ यूपीआई लेनदेन पूरे किए जा चुके हैं।[13]

तालिका 8: 2015-16 से यूपीआई लेनदेन की मात्रा और मूल्य

	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
मात्रा (करोड़)	0	2	92	539	1,252	2,233	4,596	5,949
मूल्य (करोड़ रु में)	0	6,961	1,09,832	8,76,971	21,31,730	41,03,658	84,15,900	99,75,076

नोट: 2022-23 के आंकड़े दिसंबर 2022 तक के हैं। स्रोत: भुगतान प्रणाली, भारतीय अर्थव्यवस्था पर डेटाबेस, आरबीआई; पीआरएस।

नीतिगत घोषणा: *मुद्रा योजना ने महिलाओं की उद्यमिता और कौशल को बढ़ावा दिया है।*

- गैर-कॉरपोरेट, गैर-कृषि लघु/सूक्ष्म उद्यमों को 10 लाख रुपए तक का ऋण प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री मुद्रा योजना 2015 में शुरू की गई थी। तालिका 9 में योजना के अंतर्गत संवितरित राशि को दर्शाया गया है। अप्रैल 2015 से 25 नवंबर 2022 तक 20.4 लाख करोड़ रुपए के 37.8 करोड़ कर्ज बांटे जा चुके हैं।[14] इनमें से 68% ऋण महिला उधारकर्ताओं को दिए गए हैं।[15] श्रम और रोजगार मंत्रालय के अनुसार, मुद्रा योजना ने 2015 से 2018 तक 1.12 करोड़ शुद्ध अतिरिक्त रोजगार का सृजन किया। [14]
- 2021-22 में योजना को 2,500 करोड़ रुपए आबंटित किए गए थे जो 2022-23 में घटकर 100 करोड़ रुपए हो गए।[16]

तालिका 9: मुद्रा योजना के तहत संवितरित ऋण (लाख करोड़ रुपए में)

वर्ष	संवितरित ऋण
2015-16	1.33
2016-17	1.75
2017-18	2.46
2018-19	3.12
2019-20	3.30
2020-21	3.12
2021-22	3.31
2022-23*	2.51

*अनंतिम आंकड़े
नोट: 22 जनवरी, 2023 तक
स्रोत: मुद्रा डैशबोर्ड; पीआरएस।

नीतिगत घोषणा: *बैंकों ने 2021-22 में 28 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को 65,000 करोड़ रुपए की वित्तीय मदद दी है। यह 2014-15 में प्रदत्त राशि का चार गुना है। सरकार ने महिला एसएचजी के हजारों सदस्यों को प्रशिक्षण भी दिया है और उन्हें 'बैंकिंग सखी' के रूप में भागीदार बनाया है।*

- दीनदयाल अंत्योदय योजना- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (डीएवाई-एनआरएलएम) 2011 में शुरू किया गया था और यह अभियान एसएचजी में संगठित सभी गरीब परिवारों का सार्वभौमिक वित्तीय समावेशन करने का काम करता है। इस योजना में दो प्रकार के फंड हैं - रिवॉल्विंग फंड्स और सामुदायिक निवेश फंड- जो एसएचजी को इस उद्देश्य से प्रदान किए जाते हैं कि वे एसएचजी को वित्तीय संसाधन बनाएं। इन फंड्स का उपयोग बैंक ऋण प्राप्त करने या सदस्यों को ऋण प्रदान करने के लिए किया जा सकता है।[17]
- जुलाई 2022 तक मिशन 28 राज्यों और छह केंद्र शासित प्रदेशों में लागू किया जा रहा है। 77.4 लाख से अधिक एसएचजी में 8.41 करोड़ से अधिक महिलाओं को कुल मिलाकर संगठित किया गया है।[17]
- योजना के तहत वर्ष 2021-22 के लिए 7,212 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता जारी की गई। वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए एसएचजीज़ को 9,602 करोड़ रुपए की केंद्रीय सहायता आबंटित की गई थी और इसके मद्देनजर 100 करोड़ रुपए की राशि (31 जुलाई, 2022 तक) जारी की गई।[17] 2013-14 से डीएवाई-एनआरएलएम के तहत महिला एसएचजीज़ को 5.24 लाख करोड़ रुपए का बैंक ऋण प्राप्त हुआ है।

कृषि एवं खाद्य सुरक्षा

नीतिगत घोषणा: *पीएम-किसान सम्मान निधि के तहत 11 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को 1,80,000 करोड़ रुपए प्रदान किए गए हैं।*

- 2019 में पीएम किसान सम्मान निधि को शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य भूजोत (लैंड होल्डिंग) वाले किसानों को सालाना 6,000 रुपए की सहायता प्रदान करना है।[18] इसे 2,000 रुपए की तीन किस्तों में सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जारी किया जाता है।

तालिका 10: पीएम किसान पर वार्षिक व्यय (करोड़ रुपए में)

वर्ष	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
व्यय	6,051	49,225	61,426	66,761

स्रोत: कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण संबंधी स्टैंडिंग कमिटी; पीआरएस।

- 31 मार्च, 2022 तक योजना के 11.31 करोड़ लाभार्थी थे।[19] तालिका 10 में योजना का वार्षिक व्यय दिया गया है। 2022-23 में योजना का बजट 68,000 करोड़ रुपए था।[20]

नीतिगत घोषणा: *फसल बीमा योजना में हुए नए बदलावों का लाभ देश के छोटे किसानों को भी मिला है। लगभग आठ करोड़ किसानों को मुआवजे के तौर पर एक लाख करोड़ रुपए से अधिक दिए गए हैं।*

- प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाई) और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना (आरडब्ल्यूबीसीआईएस) को 2016 में शुरू किया गया था ताकि किसानों को बुवाई से पहले से लेकर कटाई के बाद तक निवारक प्राकृतिक जोखिमों के मद्देनजर सस्ता फसल बीमा प्रदान किया जा सके।
पीएमएफबीवाई के तहत किसान बीमित राशि का 2% (खरीफ फसलों के लिए), 1.5% (रबी फसलों के लिए) और 5% (बागवानी फसलों के लिए) तक प्रीमियम का भुगतान करते हैं।[21]

तालिका 11: पीएमएफबीवाई के तहत 2018-22 से किसानों का जनसांख्यिकीय वितरण (प्रतिशत में)

	2018	2019	2020	2021	2022
सीमांत किसान	19	17	17	18	17
छोटे किसान	64	64	66	61	60
अन्य	17	18	17	20	22

स्रोत: पीएमएफबीवाई प्रशासनिक डैशबोर्ड; पीआरएस।

- 2020 से पीएमएफबीवाई में परिवर्तन किए गए। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं: (i) सभी किसानों के लिए इस योजना को स्वैच्छिक बनाना, और (ii) केंद्र सरकार पूर्वोत्तर राज्यों के साथ 50:50 की बजाय 90:10 के अनुपात में सबसिडी को शेयर करेगी।
- 12 जनवरी, 2023 तक 2.46 करोड़ किसानों को योजना के तहत कवर किया गया है, और कुल 1.74 लाख करोड़ रुपए का बीमा किया गया है।[22] 2022-23 में योजना का बजटीय व्यय 15,500 करोड़ रुपए था।[23]

तालिका 12: पीएमएफबीवाई पर वार्षिक व्यय (करोड़ रुपए में)

वर्ष	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
व्यय	11,945	12,638	13,903	15,989*

*2021-22 के लिए संशोधित अनुमान

स्रोत: कृषि, पशुपालन और खाद्य प्रसंस्करण संबंधी स्टैंडिंग कमिटी; पीआरएस।

नीतिगत घोषणा: *कृषि अवसंरचना फंड के तहत हजारों परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है जिसका कोष एक लाख करोड़ रुपए है।*

- मध्यम से दीर्घकालिक वित्तपोषण सुविधाएं प्रदान करने हेतु कृषि इंफ्रास्ट्रक्चर फंड को 2020 में शुरू किया गया था ताकि फसल कटाई के बाद के बुनियादी ढांचे और सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों का सृजन किया जा सके। यह योजना 2020-21 से 2032-33 तक चालू रहेगी। फंड का आकार एक लाख करोड़ रुपए है। योजना के तहत सरकार पात्र उधारकर्ताओं को दो करोड़ रुपए तक के ऋण के लिए क्रेडिट गारंटी कवरेज प्रदान करेगी। सभी ऋणों पर प्रति वर्ष 3% का ब्याज अनुदान प्राप्त होगा। अधिकतम सात वर्षों के लिए इस ब्याज अनुदान का लाभ उठाया जा सकता है।[24]

- योजना के तहत पात्र लाभार्थियों में शुरू में प्राथमिक कृषि ऋण समितियां, विपणन सहकारी समितियां और किसान उत्पादक संगठन शामिल थे।[25] 2021 में राज्य एजेंसियों/एपीएमसीज़, सहकारी समितियों के राष्ट्रीय और राज्य संघों, किसान उत्पादक संगठनों के संघों और स्वयं सहायता समूहों के संघों को भी इस योजना के तहत पात्र बनाया गया।[26]
- जनवरी 2023 तक फंड में 59,144 पंजीकृत लाभार्थी हैं। अगस्त 2020 से 16,000 परियोजनाओं को 10,082 करोड़ रुपए संवितरित किए गए हैं।[27] 2022-23 में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने योजना के कार्यान्वयन के लिए 500 करोड़ रुपए आबंटित किए हैं।[23]

***नीतिगत घोषणा**: खाद्य तेल में आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए मेरी सरकार ने खाद्य तेलों पर राष्ट्रीय मिशन- ऑयल पाम (एनएमईओ-ओपी) भी शुरू किया है जिसका परिव्यय 11,000 करोड़ रुपए है।*

- खाद्य तेलों के घरेलू उत्पादन को बढ़ाने और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए एनएमईओ-ओपी को अगस्त 2021 में शुरू किया गया था। इसका वित्तीय परिव्यय 11,040 करोड़ रुपए था।[28] मिशन के तहत निम्नलिखित लक्ष्यों को प्राप्त करना है: (i) 2019-20 में ताड़ की खेती का क्षेत्रफल 3.5 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर 2025-26 में 10 लाख हेक्टेयर करना; (ii) कच्चे पाम तेल के उत्पादन को 2019-20 में 0.27 लाख टन से बढ़ाकर 2025-26 में 11.2 लाख टन और 2028-29 तक 28 लाख टन करना; और (iii) 2025-26 तक प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष 19 किलोग्राम खपत स्तर बनाए रखने के लिए उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाना।[29]
- एनएमईओ-ओपी के तहत पाम तेल के किसानों को पाम तेल उद्योग द्वारा आश्वस्त खरीद प्रदान की जाएगी, और यह खरीद भारत सरकार द्वारा निर्धारित वायबिलिटी मूल्यों पर की जाएगी। इससे किसानों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे पाम तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव से सुरक्षा प्राप्त होगी। अगर खरीद मूल्य वायबिलिटी मूल्य से कम है तो सरकार वायबिलिटी गैप फंडिंग से जरिए किसानों को मुआवजा देगी।
- रोपाई के सामान, इंटरक्रॉपिंग के लिए इनपुट, ताड़ के बगीचों के रखरखाव और उपकरणों, बीज बागानों/नर्सरी की स्थापना, सूक्ष्म सिंचाई, सौर पंप आदि के लिए भी सहायता दी जाएगी।[28,29]

तालिका 13: कच्चे पाम तेल का उत्पादन (टन में)

वर्ष	2018-19	2019-20	2020-21
उत्पादन	2,79,085	2,54,815	2,72,339

स्रोत: राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन; पीआरएस।

- एनएमईओ-ओपी की लागत केंद्र और राज्य सरकारों के बीच सामान्य राज्यों के लिए 60:40 के अनुपात में और पूर्वोत्तर राज्यों के लिए 90:10 के अनुपात में साझा की जाएगी।[29] पूर्वोत्तर राज्यों और अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह पर विशेष ध्यान दिया गया है। इन क्षेत्रों में किसानों को अतिरिक्त इनपुट सहायता दी जाएगी। इन क्षेत्रों में हाफ मून टैरेस फार्मिंग, बायो फेंसिंग और इंटीग्रेटेड फार्मिंग के लिए भी विशेष प्रावधान किए जाएंगे।[28]
- 2022-23 में (दिसंबर 2022 तक) एनएमईओ-ओपी के तहत 134 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं, जबकि पिछले वर्ष के लिए यह राशि 26 करोड़ रुपए थी। योजना का वित्तीय परिव्यय 11,040 करोड़ रुपए है, जिसमें से 2,196 करोड़ रुपए राज्य सरकारों द्वारा वहन किए जाएंगे।[30]

***नीतिगत घोषणा**: 2,60,000 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य वितरण कार्यक्रम है। इसके लाभार्थियों की संख्या 19 महीने में 80 करोड़ तक पहुंच गई है।*

- प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना (पीएमजीकेएवाई) को 2020 में भारत में कोविड-19 महामारी के प्रारंभ के साथ लागू किया गया था। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा एक्ट के तहत खाद्यान्न की नियमित पात्रता के अलावा लगभग 80 करोड़ लाभार्थियों को प्रति माह प्रति व्यक्ति 5 किलोग्राम मुफ्त खाद्यान्न का वितरण शामिल था। इसे दिसंबर 2022 तक सात चरणों में लागू किया गया था। दिसंबर 2022 तक पीएमजीकेएवाई के तहत लगभग 1,118 लाख टन खाद्यान्न आबंटित किया गया था जिसमें केंद्र सरकार का सबसिडी परिव्यय 3.91 लाख करोड़ रुपए था।[31]

तालिका 14: पीएमजीकेएवाई के विभिन्न चरणों में आबंटित खाद्यों की मात्रा और वित्तीय परिव्यय

चरण	अवधि	आबंटित मात्रा (लाख मीट्रिक टन में	वित्तीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)
1	3 महीने	120	44,834
2	5 महीने	201	68,351
3	2 महीने	80	26,602
4	5 महीने	199	67,266
5	4 महीने	159	53,344
6	6 महीने	239	85,838
7	3 महीने	120	44,763

स्रोत: संसदीय प्रश्न; पीआरएस।

- राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के सभी लाभार्थी, यानी 80 करोड़ व्यक्ति पीएमजीकेएवाई के तहत कवर किए गए हैं।[31] इसमें डीबीटी के तहत कवर किए गए लाभार्थी भी शामिल हैं। एनएफएसए ने अंत्योदय अन्न योजना और प्राथमिकता वाले परिवारों के तहत 75% ग्रामीण आबादी और 50% शहरी आबादी को कवर किया।[32] पीएमजीकेएवाई को दिसंबर 2022 के बाद बंद कर दिया गया था।[33]

नीतिगत घोषणा: देश में प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) और अटल भू-जल योजना के तहत विभिन्न परियोजनाओं की मदद से 64 लाख हेक्टेयर भूमि को सिंचाई सुविधाओं के साथ विकसित किया गया है।

- प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना (पीएमकेएसवाई) 1 जुलाई, 2015 को सिंचाई आपूर्ति श्रृंखला में एंड-टू-एंड समाधान प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी।[34] इसके चार घटक हैं, (i) त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम, (ii) हर खेत को पानी, (iii) वाटरशेड विकास, और (iv) प्रति बूंद अधिक फसल।[34]
- जलसंभर विकास घटक (डब्ल्यूडीसी) भूमि संसाधन विभाग द्वारा कार्यान्वित किया जाता है। 2021-26 की परियोजना अवधि के लिए सांकेतिक केंद्रीय वित्तीय परिव्यय 8,134 करोड़ रुपए है।[35] 2015-16 से दिसंबर 2022 तक, 6.5 लाख जल संचयन संरचनाओं का निर्माण/कायाकल्प किया गया है, 14.4 लाख हेक्टेयर को सुरक्षात्मक सिंचाई के तहत लाया गया है, और 31.22 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं।[35]
- 2015-16 से प्रति बूंद अधिक फसल (पीडीएमसी) लागू किया गया है जोकि सूक्ष्म सिंचाई (ड्रिप और स्प्रिंकलर सिस्टम) के माध्यम से खेत के स्तर पर पानी के उपयोग की दक्षता बढ़ाने पर केंद्रित है। दिसंबर 2022 तक, पीएमकेएसवाई के तहत प्रति बूंद अधिक फसल (पीडीएमसी) घटक के माध्यम से सूक्ष्म सिंचाई के तहत 72 लाख हेक्टेयर भूमि को कवर किया गया है।
- उल्लेखनीय है कि 2020-23 से पीडीएमसी को राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत लागू किया गया है।[36]

तालिका 15: 2015-16 से 2022-23 तक पीडीएमसी के तहत सूक्ष्म सिंचाई में कवर किया गया कुल क्षेत्रफल (लाख हेक्टेयर में)

वर्ष	क्षेत्र
2015-16	5.7
2016-17	8.4
2017-18	10.5
2018-19	11.6
2019-20	11.7
2020-21	9.4
2021-22	10.2
2022-23	4.2

नोट: 2022-23 का आंकड़ा 20 दिसंबर, 2022 तक का है।

स्रोत: अतारांकित प्रश्न संख्या 2275, लोकसभा, 20 दिसंबर, 2022; पीआरएस।

- अटल भूजल योजना (एबीवाई) 6,000 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ 2020 में प्रारंभ केंद्रीय क्षेत्र की योजना है।[37] परिव्यय का आधा केंद्र सरकार द्वारा दिया जाएगा, जबकि अन्य आधा विश्व बैंक ऋण होगा। यह योजना 2020-21 से 2024-25 तक पांच वर्षों के दौरान सात राज्यों में लागू की जाएगी, जहां भारत के जल अभाव वाले 37% ब्लॉक्स आते हैं।[37]
- 27 जनवरी, 2023 तक योजना के लिए 2022-23 के दौरान 2,499 करोड़ रुपए आबंटित किए गए हैं।[38] इनमें से 452 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं और 250 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं (2022-23 में)।[38]

तालिका 16: अटल भूजल योजना के तहत जारी संचयी राशि*

राज्य	जारी की गई कुल राशि (करोड़ रुपए में)
गुजरात	164
हरियाणा	138
कर्नाटक	138
मध्य प्रदेश	88
महाराष्ट्र	137
राजस्थान	164
उत्तर प्रदेश	62
कुल	**891**

नोट: 12 दिसंबर, 2022 तक जारी की गई धनराशि

स्रोत: तारांकित प्रश्न संख्या 135, लोकसभा, 15 दिसंबर, 2022; पीआरएस।

नीतिगत घोषणा: वर्ष 2020-21 में कृषि निर्यात में 25 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है और यह लगभग 3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

- कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के अनुसार, निर्यात की जाने वाली कृषि वस्तुओं में बासमती चावल, डेयरी, मसाले और गेहूं शामिल हैं।[39]

तालिका 17: कृषि जिंसों का निर्यात

वर्ष	2019-20	2020-21	2021-22
निर्यात (करोड़ रु में)	2,48,956	3,05,280	3,69,98
वृद्धि दर	-8%	23%	21%

स्रोत: भारत प्रमुख वस्तुओं का निर्यात, एपीडा; पीआरएस।

- कृषि पर विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के समझौते के तहत, विकासशील देश केवल दिसंबर 2023 तक परिवहन और मार्केटिंग सबसिडी के रूप में निर्यात सबसिडी प्रदान कर सकते हैं।[40] 2019 में ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील और ग्वाटेमाला ने विश्व व्यापार संगठन में भारत के चीनी क्षेत्र की नीतियों को चुनौती दी।[41] डब्ल्यूटीओ में एक विवाद पैनल स्थापित किया गया जिसने दिसंबर 2021 में अपनी रिपोर्ट प्रकाशित की।[42] पैनल ने पाया कि भारत ने गन्ना उत्पादकों को एओए के तहत अनुमत सीमा से अधिक घरेलू समर्थन प्रदान किया। यह भी पाया गया कि भारत ने निर्यात सबसिडी प्रदान की। भारत ने विश्व व्यापार संगठन में इस रिपोर्ट के खिलाफ इस आधार पर अपील की कि निष्कर्ष अनुचित हैं और विश्व व्यापार संगठन के नियमों द्वारा समर्थित नहीं हैं।[42]

नीतिगत घोषणा: शहद का घरेलू उत्पादन 2020-21 में 1,25,000 मीट्रिक टन तक पहुंच गया है और 2014-15 की तुलना में इसमें लगभग 55 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2014-15 की तुलना में शहद के निर्यात की मात्रा में भी 102 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।

- 2014-15 और 2020-21 के बीच, शहर का उत्पादन 5% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर के हिसाब से बढ़ा जबकि निर्यात 9% की दर से।[43]

तालिका 18: शहद का वार्षिक उत्पादन (हजार मीट्रिक टन में)

वर्ष	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
उत्पादन	76	81	88	95	105	120	120	125	133*
निर्यात मात्रा	28	30	38	45	52	61	60	60	74

नोट: 2021-22 के उत्पादन के आंकड़े तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार हैं।

स्रोत: कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय; भारत प्रमुख वस्तुओं का निर्यात, एपीडा; पीआरएस।

नीतिगत घोषणा: कोरोना काल में भारतीय रेलवे ने सब्जी, फल और दूध जैसे जल्दी खराब होने वाले खाद्य पदार्थों के परिवहन के लिए 150 से अधिक मार्गों पर 1,900 से अधिक किसान रेलों का संचालन किया जिससे लगभग 6 लाख मीट्रिक टन कृषि उपज का परिवहन हुआ।

- किसान रेल सेवा का संचालन अगस्त 2020 में शुरू किया गया था ताकि जल्दी खराब होने वाले बागवानी या कृषि उत्पादों का परिवहन किया जा सके।[44,45] अगस्त 2020 और नवंबर 2022 के बीच लगभग 2,359 ट्रेनें चलाई गईं जिनके जरिए 7.9 लाख टन उत्पादों का परिवहन हुआ। ये उत्पाद हैं, प्याज, केला, आलू, लहसुन, पत्तागोभी, फूलगोभी, तथा अन्य फल और सब्जियां।[44,46]
- आंध्र प्रदेश, असम, गुजरात, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, पंजाब, तेलंगाना, त्रिपुरा, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों से इन सेवाओं को संचालित किया गया।[46]

स्वास्थ्य

***नीतिगत घोषणा**: 64,000 रुपए के परिव्यय के साथ प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन का शुभारंभ किया गया। यह मौजूदा स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेगा। 80,000 से अधिक स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों ने गरीब लोगों को इलाज कराने में मदद की है।*

- आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन केंद्रीय क्षेत्र के घटकों के साथ एक केंद्र प्रायोजित योजना है, जो विशेष रूप से शहरी और ग्रामीण, दोनों क्षेत्रों में सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर) की कमियों को दूर करने के लिए है और जिला स्तर पर प्रदान की जाने वाली महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सेवा भी है। इसे अक्टूबर 2021 में 64,180 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ शुरू किया गया था, और 2025-26 तक लागू किया जाएगा।[47] मंत्रालय ने कहा है कि वह योजना के अनुमोदन, कार्यान्वयन और निगरानी के लिए मौजूदा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संरचना का लाभ उठाएगा।[48] यह योजना अगले चार से पांच वर्षों के भीतर पूरे भारत में स्वास्थ्य सेवा नेटवर्क को मजबूत करने का प्रयास करेगी।[46] मिशन के तीन प्रमुख पहलू हैं: (i) डायग्नोस्टिक नेटवर्क का विकास, (ii) मौजूदा शोध संस्थानों का विस्तार, और (iii) डायग्नॉस्टिक्स और उपचार की सुविधाएं प्रदान करना।[49]
- ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य अवसंरचना में त्रि-स्तरीय प्रणाली शामिल है। इसमें उप-केंद्र (एससी), प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) शामिल हैं।[50] केंद्रीय बजट 2017-18 में यह घोषणा की गई थी कि दिसंबर, 2022 तक 1.5 लाख एससी और पीएचसी स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों (एचडब्ल्यूसी) में तब्दील हो जाएंगे।[51] 11 जनवरी, 2023 तक 1.5 लाख स्वास्थ्य और कल्याण केंद्र पूरे देश में चालू हैं।[52]

तालिका 19: ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य केंद्रों की कमी

स्वास्थ्य केंद्र	अपेक्षित	मौजूद	कमी* (% में)
उपकेंद्र	1,93,310	1,57,935	25%
प्राथमिक स्वास्थ्य क्षेत्र	31,640	24,935	31%
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र	7,894	5,480	36%

* आवश्यकता भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानकों के अनुसार है। देश भर में स्वास्थ्य केंद्रों की कमी में अधिशेष शामिल नहीं है जो कुछ राज्यों में बताया गया है। स्रोत: ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी 2021-22; पीआरएस।

तालिका 20: प्रत्येक ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्र के दायरे में आने वाली औसत जनसंख्या मानक से अधिक है

स्वास्थ्य केंद्र	मानक	औसत ग्रामीण जनसंख्या
उपकेंद्र	300 - 5,000	5,691
प्राथमिक स्वास्थ्य क्षेत्र	20,000 - 30,000	36,049
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र	80,000 - 1,20,000	1,64,027

स्रोत: ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी 2021-22; पीआरएस।

तालिका 21: 2021-22 में ग्रामीण पीएचसीज़ में श्रमशक्ति की स्थिति (31 मार्च, 2022 तक)

	अपेक्षित	मंजूर	मौजूदा	कमी	कमी का %
डॉक्टर	24,935	39,669	30,640	776	3%
लैब तकनीशियन	24,935	20,716	14,565	10,435	42%
नर्सिंग स्टाफ	24,935	45,310	36,079	4,211	17%
स्वास्थ्य कार्यकर्ता (महिलाएं)	24,935	32,283	26,818	6,249	25%

स्रोत: ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी 2021-22; पीआरएस।

- 2021-22 के संशोधित अनुमान के अनुसार, आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन के लिए 140 करोड़ रुपए आबंटित किए गए थे जिसमें से 116 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं।[53] जुलाई 2022 तक योजना के सीएसएस घटक के तहत पूंजीगत परिसंपत्ति सृजन के लिए 585 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।[54]

***नीतिगत घोषणा:** करोड़ों आयुष्मान भारत कार्ड से गरीबों को इलाज कराने में काफी मदद मिली है।*

- आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) एक पात्रता आधारित योजना है। पात्र लाभार्थी कैशलेस उपचार का लाभ उठाने के लिए सीधे किसी भी सूचीबद्ध सार्वजनिक या निजी अस्पताल में जा सकते हैं। 11 जनवरी, 2023 तक 19.4 करोड़ आयुष्मान भारत कार्ड जारी किए जा चुके हैं।[55] इन कार्डों का इस्तेमाल अस्पतालों में 4.2 करोड़ दाखिलों के लिए किया गया है।

- आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन का उद्देश्य मेडिकल रिकॉर्ड्स का एक एकीकृत डेटाबेस तैयार करना है ताकि वे स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं को आसानी से उपलब्ध हों, और वे उनका उपयोग कर पाएं।[56] इसमें प्रत्येक रोगी का एक यूनीक आईडी बनाया जाता है जिसे आयुष्मान भारत स्वास्थ्य खाता (आभा) कहा जाता है।[56] इसके तहत 31 करोड़ खाते खोले गए हैं, और 8.2 करोड़ मेडिकल रिकॉर्ड डेटाबेस से जोड़े गए हैं।[57]

***नीतिगत घोषणा**: सरकार ने 8,000 से अधिक जन औषधि केंद्रों के माध्यम से सस्ती दवाएं उपलब्ध करके इलाज का खर्च कम किया है।*

- जन औषधि केंद्र उद्यमियों द्वारा चलाई जा रही फ़ार्मेसी हैं जिन्हें फ़ार्मास्यूटिकल उत्पादों की मासिक ख़रीद पर 15% की दर से इन्सेंटिव मिलता है।[58] इन्सेंटिव की अधिकतम सीमा 15,000 रुपए प्रति माह और कुल मिलाकर पांच लाख रुपए है।[58] उन्हें विश्व स्वास्थ्य संगठन-गुड मैन्यूफैक्चरिंग प्रैक्टिसेस प्रमाणित आपूर्तिकर्ताओं से दवाएं खरीदनी होंगी।[58]
- 30 नवंबर, 2022 तक लक्षद्वीप को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 8,916 जन औषधि केंद्र खोले गए हैं।[59] 2025 तक 10,500 जन औषधि केंद्र खोलने का लक्ष्य हासिल होने की उम्मीद है।

***नीतिगत घोषणा:** एक वर्ष से कम समय में 150 करोड़ से अधिक वैक्सीन्स लगाई जा चुकी हैं। आज 90% से अधिक वयस्क नागरिकों को पहली डोज़ मिल चुकी है और 70% से अधिक को दोनों डोज़ मिल चुकी हैं। सरकार 'हर घर दस्तक' अभियान के जरिए बाकी आबादी तक भी पहुंच बना रही है।*

- 11 जनवरी, 2023 तक 220 करोड़ कोविड वैक्सीन डोज़ लगाई जा चुकी हैं।[60] कोविड डैशबोर्ड के अनुसार, 24 जनवरी, 2023 तक 102 करोड़ वैक्सीन (डोज़ 1) और 95 करोड़ (डोज़ 2) वैक्सीन्स लगाई गई थीं।[61] 22.4 करोड़ ऐहतियाती डोज़ लगाई जा चुकी हैं। 1 मई, 2022 के अनुमानों के अनुसार, 95.8% वयस्क जनसंख्या को वैक्सीन लग चुकी हैं जिनमें से 84.5% को दोनों डोज़ और 10.8% को पहली डोज़ लग चुकी है।[62]
- हर घर दस्तक अभियान वृद्धाश्रमों, स्कूलों, कॉलेजों और जेलों के लिए डोर-टू-डोर वैक्सीनेशन करता है। अभियान का दूसरा चरण जुलाई 2022 तक लागू किया गया।[63] 28 मार्च, 2022 तक इस अभियान के तहत कुल 63 करोड़ वैक्सीनेशन किए जा चुके हैं जिनमें से 18 करोड़ पहली डोज़ और 45 करोड़ दूसरी डोज़ हैं।[64]

***नीतिगत घोषणा:** देश में आपातकालीन उपयोग के लिए आठ वैक्सीन्स को मंजूरी दी गई है। तीन भारतीय निर्मित वैक्सीन्स को आपातकालीन उपयोग के लिए डब्ल्यूएचओ से मंजूरी मिली है।*

- सीडीएससीओ के अनुसार, 4 अक्टूबर, 2022 तक भारत में प्रतिबंधित आपातकालीन उपयोग के लिए केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा 11 वैक्सीन्स को मंजूरी दी गई थी।[65] तालिका 22 में इन वैक्सीन्स की मंजूरी की तारीख दी गई है।
- 2021-22 के केंद्रीय बजट में, वैक्सीन्स की खरीद के लिए 35,000 करोड़ रुपए आबंटित किए गए थे जिसमें से 3 फरवरी, 2022 तक 27,945 रुपए खर्च किए गए थे। 2022-23 के केंद्रीय बजट में 5,000 करोड़ रुपए कोविड वैक्सीनेशन के लिए आबंटित किए गए हैं।[48]

तालिका 22: देश में आपातकालीन स्थिति में प्रतिबंधित उपयोग के लिए स्वीकृत कोविड-19 वैक्सीन (पहली और दूसरी डोज़ के लिए)

वैक्सीन का नाम	मंजूरी का वर्ष	मंजूरी की तारीख
कोवैक्सीन (जनरल यूज़)	2021	3 मार्च
कोविशील्ड (जनरल यूज़)	2021	3 मार्च
कोरबेवैक्स	2022	28 दिसंबर, 2021 वयस्क; 21 फरवरी, 2022 (12+ आयु वर्ग); 26 अप्रैल, 2022 (5+ आयु वर्ग)
कोवोवैक्स	2022	28 दिसंबर, 2021 वयस्क; 8 मार्च, 2022 (12+ आयु वर्ग); 28 जून, 2022 (7+आयु वर्ग)
स्पूतनिक लाइट	2022	5 फरवरी
एचजीसीओ-19	2022	28 जून
इनकोवैक	2022	6 सितंबर
स्पूतनिक - V	2021	12 अप्रैल
मोडर्ना	2021	29 जून
जैनसन	2021	7 अगस्त
जोकोवि-डी	2021	20 अगस्त

नोट: कोविशील्ड और कोवैक्सीन को 27 जनवरी, 2022 को सामान्य उपयोग के लिए अनुमोदित किया गया था। स्रोत: केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन, पीआरएस।

- स्वास्थ्य संबंधी स्टैंडिंग कमिटी (2022) ने गौर किया था कि भारत में वैक्सीन्स को भारतीय औषधि नियमों और रेगुलेशंस के विशिष्ट प्रावधानों के बिना ही आपातकालीन उपयोग प्राधिकृति (ईयूए) दे दी गई थी।[66] ईयूए के प्रावधान नए औषधि एवं क्लिनिकल ट्रायल नियम, 2019 और औषधि एवं सौन्दर्य प्रसाधन एक्ट, 1940 में मौजूद नहीं हैं। अन्य देशों के कानूनों में ईयूए के लिए स्पष्ट परिभाषाएं हैं जो महामारी के दौरान वैक्सीन्स और दवाओं को मंजूरी देने में पारदर्शिता सुनिश्चित करते हैं। स्वास्थ्य पर स्टैंडिंग कमिटी (2022) ने निम्नलिखित सुझाव दिए: (i) ईयूए के लिए विशिष्ट प्रावधान करना, (ii) ऐसी मंजूरी देने से पहले क्लिनिकल ट्रायल डेटा का सख्ती से आकलन करना। कमिटी ने भारत की कोविड संबंधी पहल में कई कमियां देखीं। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं: (i) कमजोर स्वास्थ्य ढांचा और स्वास्थ्य कर्मियों की कमी, (ii) शुरुआत में ग्रामीण क्षेत्रों में वैक्सीनेशन कम होना, और (iii) दूसरी लहर के दौरान ऑक्सीजन की आपूर्ति का कुप्रबंधन।

- वैक्सीन निर्माता निजी अस्पतालों के लिए खरीद मूल्य तय करते हैं और निजी अस्पताल उपभोक्ताओं से वैक्सीन्स की उच्च कीमत वसूलते हैं। कमिटी ने मंत्रालय को सुझाव दिया कि निजी अस्पतालों द्वारा वसूल की जा रही अत्यधिक दरों पर सख्ती से निगरानी रखी जाए।[66] यह भी कहा गया कि जैसे-जैसे वैक्सीन निर्माताओं में वृद्धि होगी, कीमत तय करने के लिए अस्पताल बेहतर स्थिति में होंगे। कमिटी ने सुझाव दिया कि मंत्रालय को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि लाभदायक शर्तों पर वैक्सीन्स की कीमतें पर बातचीत हो।
- कमिटी ने गौर कि भारतीय वैक्सीन्स विदेशी वैक्सीन्स की तुलना में सस्ती हैं। हालांकि यह गौर किया गया है कि वायरस म्यूटेट होता है, इसलिए mRNA वैक्सीन्स एक बेहतर विकल्प और अधिक लचीलापन प्रदान करती हैं।

तालिका 23:विदेशी और भारतीय वैक्सीन्स की कीमत

वैक्सीन	मूल्य (रुपए में)
फाइजर	1,431
मोडर्ना	2,348
सिनोफार्म	5,650
सिनोवेक	1,027
नोवोवैक्स	1,141
स्पूतनिक और जॉनसन एंड जॉनसन	734
कोविशील्ड	200
कोवैक्सीन	206

स्रोत: स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संबंधी स्टैंडिंग कमिटी (2022); पीआरएस।

नीतिगत घोषणा: *कौशल भारत मिशन के तहत स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित छह विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किए गए हैं।*

- कौशल विकास मंत्रालय ने कुशल स्वास्थ्य कर्मियों की बढ़ती मांग को पूरा करने, हेल्थ प्रोफेशनल्स के बोझ को कम करने और समय पर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए 'कोविड फ्रंटलाइन वर्कर्स के लिए कस्टमाइज्ड क्रैश कोर्स प्रोग्राम' शुरू किया।[67]
- कार्यक्रम 18 जून, 2021 को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तीसरे चरण के केंद्रीय घटक के तहत शुरू किया गया था और इसका उद्देश्य सैंपल कलेक्शन सहायक, इमरजेंसी केयर सहायक या घर पर देखभाल सहायक संबंधी जॉब रोल्स में एक लाख उम्मीदवारों को प्रशिक्षित करना था।[67]

तालिका 24: पीएमकेवीवाई प्रशिक्षण कार्यक्रमों में नामांकित श्रमिकों की संख्या, जॉब रोल के अनुसार

जॉब रोल	नामांकित श्रमिकों की संख्या
बुनियादी देखभाल सहायक	40,427
घर पर देखभाल सहायक	28,301
उन्नत देखभाल सहायक	17,782
सैंपल कलेक्शन सहायक	12,892
इमरजेंसी केयर सहायक	9,284
मेडिकल उपकरण सहायक	1,096

स्रोत: राष्ट्रीय कौशल विकास निगम डैशबोर्ड; पीआरएस।

शिक्षा एवं खेल

नीतिगत घोषणा: *राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से स्थानीय भाषाओं को भी बढ़ावा दिया जा रहा है। भारतीय भाषाओं में भी स्नातक पाठ्यक्रमों के लिए महत्वपूर्ण प्रवेश परीक्षा आयोजित करने पर जोर दिया जा रहा है। इस साल 10 राज्यों के 19 इंजीनियरिंग कॉलेज छह भारतीय भाषाओं में पढ़ाना शुरू करेंगे।*

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) में स्कूलों और उच्च शिक्षा में लागू करने के लिए कुछ कार्यों का उल्लेख है। इनमें स्कूली शिक्षा के सभी स्तरों पर सार्वभौमिक पहुंच, नई करिकुलर और शैक्षणिक संरचना, बहुभाषावाद को बढ़ावा देना, शिक्षकों के लिए मजबूत और पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया और उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात को 50% तक बढ़ाना शामिल है।[68]
- एनईपी के इन उद्देश्यों को हासिल करने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं: (i) ग्रेड 3 के अंत तक मूलभूत साक्षरता और अंकज्ञान सुनिश्चित करने के लिए नेशनल इनीशिएटिव फॉर प्रॉफिशियंसी इन रीडिंग विद अंडरस्टैडिंग एंड न्यूमरेसी (निपुण भारत), (ii) राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी संस्थान द्वारा माध्यमिक स्तर पर भारतीय सांकेतिक भाषा को एक विषय के रूप में पेश करना, (iii) स्कूली शिक्षा के विभिन्न चरणों के लिए एकीकृत शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम, नेशनल इनीशिएटिव फॉर स्कूल हेड्स एंड टीचर्स होलिस्टिक एडवांसमेंट, और (iv) ग्रेड 3, 5 और 8 के लिए सीबीएसई में योग्यता आधारित मूल्यांकन हेतु स्ट्रक्चर्ड एसेसमेंट फॉर एनालाइजिंग लर्निंग लेवल्स (सफल)।[68] 2020 में, कर्नाटक ने एनईपी के लिए एक कार्यान्वयन योजना जारी की। [69]

नीतिगत घोषणा*: कौशल भारत मिशन के तहत देश भर के 2 करोड़ 25 लाख से अधिक युवाओं को आईटीआई, जन शिक्षण संस्थानों और प्रधानमंत्री कौशल केंद्रों के माध्यम से कुशल बनाया गया है।*

- कौशल भारत मिशन के तहत, कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय विभिन्न मौजूदा योजनाओं के तहत कौशल-प्रशिक्षण प्रदान करता है।[70] इसमें प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई), जन शिक्षण संस्थान (जेएसएस), राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना (एनएपीएस) और शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) शामिल हैं, जो औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में आयोजित की जाती हैं।
- 2021-22 में कौशल भारत मिशन में योजनाओं के माध्यम से 28.8 लाख उम्मीदवारों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया (देखें तालिका 24)। पीएमकेवीवाई के तहत प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों में से 18% का प्लेसमेंट हो चुका है।[71] रेखाचित्र 1 में पीएमकेवीवाई के तहत प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद रखे गए उम्मीदवारों के अनुपात को दर्शाया गया है। पीएमकेवीवाई के कार्यान्वयन की जांच करते हुए श्रम, कपड़ा एवं कौशल विकास संबंधी स्टैंडिंग कमिटी (2022) ने कहा था कि इसके साथ कई समस्याएं और भी हैं, जैसे धन का कम उपयोग, अपर्याप्त प्लेसमेंट और ड्रॉपआउट आदि।[72]
- 2021-22 में 72% आबंटित धनराशि का उपयोग कर लिया गया था।[72] योजना के कार्यान्वयन के दौरान दाखिला लेने वाले कुछ उम्मीदवारों में से लगभग 20% ने प्रशिक्षण कार्यक्रम छोड़ दिया था।[72]

तालिका 25: कौशल भारत मिशन योजनाओं के तहत दक्ष उम्मीदवारों की संख्या (लाख में)

योजना	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22
प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना	21.23	20.40	45.65	19.62	6.15
जन शिक्षण संस्थान	-	1.67	4.15	3.60	4.62
राष्ट्रीय शिक्षुता संवर्धन योजना	1.56	1.97	2.52	2.10	5.75
शिल्पकार प्रशिक्षण योजना	12.18	14.55	13.59	12.19	12.26
कुल	**34.97**	**38.60**	**65.92**	**37.51**	**28.78**

स्रोत: अतारांकित प्रश्न संख्या 1711, जिसका उत्तर 21 दिसंबर, 2022 को दिया गया; पीआरएस।

रेखाचित्र 1: पीएमकेवीवाई के तहत प्रशिक्षित और काम पर रखे गए उम्मीदवारों की संख्या

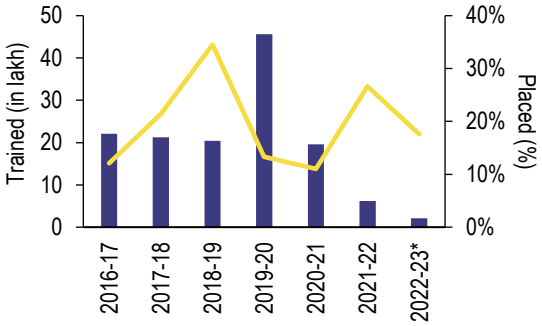

नोट: 2022-23 के आंकड़े 24 जनवरी, 2023 तक के हैं।
स्रोत: पीएमकेवीवाई डैशबोर्ड, जोकि 24 जनवरी, 2023 को एक्सेस किया गया; पीआरएस।

नीतिगत घोषणा: *आदिवासी युवाओं की शिक्षा के लिए प्रत्येक आदिवासी बहुल ब्लॉक में एकलव्य आवासीय मॉडल विद्यालयों का विस्तार किया जा रहा है। ये स्कूल करीब साढ़े तीन लाख आदिवासी युवाओं को सशक्त बनाएंगे।*

- भारतीय संविधान के अनुसार, अनुसूचित जातियों के कल्याण के लिए कई राज्य केंद्र सरकार से अनुदान प्राप्त करने के पात्र हैं।[73] एकलव्य मॉडल आवासीय स्कूलों (ईएमआरएस) का उद्देश्य सुदूर क्षेत्रों में अनुसूचित जातियों (एसटी) के विद्यार्थियों के लिए उच्च प्राथमिक, माध्यमिक और उच्चतम माध्यमिक स्तर की शिक्षा (कक्षा 6 से 12) को उत्तम बनाना है। 2018-19 में इसे केंद्रीय क्षेत्र की योजना बना दिया गया।[74]
- सरकार ने 50% से अधिक एसटी जनसंख्या और कम से कम 20,000 एसटी व्यक्तियों (2011 की जनगणना के अनुसार) वाले प्रत्येक ब्लॉक में एक ईएमआरएस स्थापित करने का निर्णय लिया है।[74] 14 दिसंबर, 2022 तक 740 के निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले 689 स्वीकृत ईआरएमएस हैं।[74] इन स्कूलों में 1,05,463 विद्यार्थी नामांकित हैं।[74] 20 जुलाई, 2022 तक, 378 स्कूल चालू हैं।[75]

नीतिगत घोषणा: *ओलंपिक्स और खेलों में भारत के प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए सरकार देश में सैकड़ों खेलो इंडिया केंद्र स्थापित कर रही है।*

- 2016 में खेलो इंडिया कार्यक्रम को निम्नलिखित उद्देश्यों के साथ शुरू किया गया था (i) देश में खेल प्रतिभाओं की पहचान और उन्हें पोषित करने के लिए, (ii) खेल के बुनियादी ढांचे का निर्माण करने के लिए, और (iii) संरचित प्रतियोगिताओं के माध्यम से खेलों में युवाओं की बड़े पैमाने पर भागीदारी में सुधार करने के लिए।[76] खेलो इंडिया कार्यक्रम के केंद्र और खेल अकादमी घटक के तहत खेलो इंडिया केंद्र (केआईसी) स्थापित करने के 1,141 प्रस्ताव दिसंबर 2022 तक प्राप्त हुए हैं। इनमें से 733 (64%) को स्वीकार कर लिया गया है और केआईसी को अधिसूचित कर दिया गया है।[77]
- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों के लिए युवाओं को प्रशिक्षित करने हेतु शुरू की गई अन्य योजनाओं में निम्नलिखित शामिल हैं: (i) राष्ट्रीय खेल संघों को सहायता योजना, (ii) टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना, और (iii) भारतीय खेल प्राधिकरण की प्रोत्साहन योजनाएं।[78]
- दिसंबर 2022 तक इन योजनाओं को लागू करने के लिए 189 केंद्र कार्यरत हैं, और लगभग 9,000 प्रतिभाशाली एथलीटों (60:40 पुरुष महिला अनुपात में) को प्रशिक्षित किया जा रहा है।

कानून एवं न्याय

***नीतिगत घोषणा**: विवादों के निपटारे में तेजी लाने के लिए सरकार ने राज्यसभा में मध्यस्थता बिल, 2021 पेश किया है।*

- 20 दिसंबर, 2021 को मध्यस्थता बिल को राज्यसभा में पेश किया गया और इसके बाद उसे कानून एवं न्याय संबंधी स्टैंडिंग कमिटी को भेज दिया गया।[79] कमिटी ने 13 जुलाई, 2022 को अपनी रिपोर्ट पेश की।[80]
- बिल मुकदमे से पूर्व कम से कम दो सत्रों के लिए मध्यस्थता को अनिवार्य करता है। कुछ प्रकार के मामलों में विवाद को मुकदमे से पूर्व मध्यस्थता के दायरे से बाहर रखा गया है, जैसे नाबालिगों या मानसिक रूप से अस्वस्थ लोगों के खिलाफ दावों से संबंधित, क्रिमिनल अपराध के प्रॉसीक्यूशन से जुड़े हुए या तीसरे पक्ष के अधिकारों को प्रभावित करने वाले। स्टैंडिंग कमिटी ने मुकदमे पूर्व मध्यस्थता की शर्त पर पुनर्विचार करने का सुझाव दिया है क्योंकि इससे विलंब हो सकता है, और कमिटी ने सुझाव भी दिया है कि मध्यस्थता की प्रक्रिया 180 दिनों की बजाय 90 दिनों में पूरी हो जानी चाहिए।

***नीतिगत घोषणा**: टेली-लॉ कार्यक्रम के माध्यम से मुकदमेबाजी से पूर्व सलाह हेतु एक मंच स्थापित किया गया है।*

- समाज के आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों को प्रभावी और विश्वसनीय कानूनी सलाह प्रदान करने के लिए 20 अप्रैल, 2017 को टेली-लॉ कार्यक्रम शुरू किया गया था।[81]
- कार्यक्रम के तहत ग्राम पंचायतों में सामान्य सेवा केंद्रों (सीएससी) पर वीडियो-कॉन्फ्रेंसिंग, टेलीफोन और चैट विकल्प उपलब्ध हैं। 31 मई, 2022 तक इस कार्यक्रम में 36 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 669 जिले शामिल थे। इसका लक्ष्य 2026 तक 2.5 लाख से अधिक ग्राम पंचायतों को कवर करना है। 31 दिसंबर, 2023 तक 30 लाख मामले दर्ज किए गए हैं जिनमें से 29 लाख मामलों में सलाह दी जा चुकी है।[82] .
- सिटीजन्स टेली-लॉ मोबाइल ऐप से व्यक्तिगत लाभार्थियों को मुकदमेबाजी से पहले की सलाह प्राप्त करने में मदद मिलती है और वे पैनल वकील से सीधे परामर्श ले सकते हैं, वह भी निःशुल्क।[83] एप्लिकेशन Android और iOS दोनों प्लेटफॉर्म पर छह भाषाओं, यानी अंग्रेजी, हिंदी, मराठी, पंजाबी, तमिल और तेलुगू में उपलब्ध है। मार्च 2022 तक 35,257 डाउनलोड थे और 1.79 लाख मामलों के लिए सलाह प्रदान की गई है।

सामाजिक न्याय एवं अल्पसंख्यक मामले

नीतिगत घोषणा: *बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पहल के सकारात्मक परिणाम मिले हैं और स्कूलों में दाखिला लेने वाली लड़कियों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है।*

- बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ पहल का उद्देश्य घटते बाल लिंगानुपात को दूर करना है।[84] यह निम्नलिखित को समाप्त करने का प्रयास करता है: (i) लिंग-पक्षपाती लिंग-चयनात्मक उन्मूलन, (ii) बालिकाएं जीवित रहें, सुरक्षित रहें और उन्हें शिक्षा प्राप्त हो।[85] यह महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की एक संयुक्त पहल है।
- चूंकि बाल लिंगानुपात की गणना जनगणना के माध्यम से एक दशक के आधार पर की जाती है, जन्म के समय लिंगानुपात का उपयोग योजना की प्रगति के लिए एक मानदंड के रूप में किया जाता है।[84] तालिका 27 में राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार जन्म के समय लिंगानुपात और तालिका 26 में लड़कियों के सकल नामांकन अनुपात को दर्शाया गया है। हिमाचल प्रदेश (875), राजस्थान (891), और हरियाणा (893) जैसे राज्यों में सबसे कम लिंगानुपात था। त्रिपुरा में प्रति 1,000 लड़कों पर 1,028 लड़कियों का जन्म के समय उच्चतम लिंगानुपात था।

तालिका 26: स्कूली शिक्षा के विभिन्न स्तरों में लड़कियों के लिए सकल नामांकन अनुपात

	2019-20	2020-21	2021-22
प्राथमिक कक्षा (कक्षा 1 से 5)	103.7	104.5	104.8
उच्च प्राथमिक (कक्षा 6 से 8)	90.5	92.7	94.9
प्रारंभिक (कक्षा 1 से 8)	98.7	100	101.1
माध्यमिक (कक्षा 9-10)	77.8	79.5	79.4
उच्चतर माध्यमिक (कक्षा 11-12)	52.4	54.6	58.2

नोट: सकल नामांकन अनुपात आयु वर्ग की जनसंख्या के लिए कुल नामांकन (आयु पर ध्यान दिए बिना) के अनुपात को संदर्भित करता है जो शिक्षा के स्तर से मेल खाता है। जीईआर 100 से अधिक हो सकता है, जब आयु वर्ग के बाहर के बच्चे इन पाठ्यक्रमों में दाखिला लेते हैं।
स्रोत: एजुकेशन प्लस के लिए एकीकृत जिला सूचना प्रणाली; पीआरएस।

तालिका 27: पिछले पांच वर्षों में पैदा हुए बच्चों का जन्म के समय लिंग अनुपात (प्रति 1000 पुरुषों पर महिलाएं)

सर्वेक्षण का वर्ष	जन्म के समय लिंग अनुपात
2005-06 (एनएफएचएस 3)	914
2015-16 (एनएफएचएस 4)	919
2019-20 (एनएफएचएस 5)	929

स्रोत: राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस 5,4, और 3); पीआरएस।

- माध्यमिक और उच्च-माध्यमिक कक्षाओं में लड़कियों के दाखिले में कमी आई है। अप्रैल 2022 में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने अंब्रेला स्कीम मिशन शक्ति के तहत कई योजनाओं को एकीकृत किया।[86] इनमें बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, नारी अदालतें और महिला पुलिस स्वयंसेवी शामिल हैं। इन सभी योजनाओं के लिए 2022-23 में 562 करोड़ रुपए आबंटित किए गए थे।[87] 2020-21 में, उन्हें एकीकृत करने से पहले, बेटी बचाओ योजना पर 60.57 करोड़ रुपए खर्च किए गए थे। शिक्षा की वार्षिक स्थिति पर रिपोर्ट (एएसईआर) 2022 के अनुसार, 11-14 वर्ष के आयु वर्ग की 2% लड़कियों का स्कूल में दाखिला नहीं हुआ है, जबकि 2006 में यह दर 10% थी।[88]

नीतिगत घोषणा: *सरकार ने पुरुषों के समान महिलाओं के लिए विवाह की न्यूनतम आयु 18 वर्ष से बढ़ाकर 21 वर्ष करने के लिए एक बिल पेश किया है।*

- बाल विवाह निषेध (संशोधन) बिल, 2021 को 21 दिसंबर, 2021 को लोकसभा में पेश किया गया था और बाद में शिक्षा, महिला, बच्चे, युवा और खेल संबंधी स्टैंडिंग कमिटी को भेजा गया था।
- कमिटी को अप्रैल 2023 तक बिल पर अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने का समय दिया गया है।[89]

***नीतिगत घोषणा**: सरकार ने 2014 से अल्पसंख्यक समुदायों के 4.5 करोड़ विद्यार्थियों को छात्रवृत्तियां प्रदान की हैं।*

- अल्पसंख्यक मामलों का मंत्रालय विभिन्न योजनाओं के जरिए उच्च शिक्षा के लिए फेलोशिप प्रदान करता है जिसे विभिन्न मंत्रालयों/विभागों द्वारा लागू किया जाता है। मंत्रालय ने अधिसूचित अल्पसंख्यकों के लिए तीन छात्रवृत्ति योजनाएं लागू की हैं।[90] ये हैं: (i) प्री-मैट्रिक छात्रवृत्ति, (ii) पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति, और (iii) मेरिट-कम-मीन्स आधारित छात्रवृत्तियां। 2022-23 के लिए इन छात्रवृत्तियों को 1,425 करोड़ रुपए (प्री-मैट्रिक), 515 करोड़ रुपए (पोस्ट-मैट्रिक) और 365 करोड़ रुपए (मेरिट-कम-मीन्स आधारित) आबंटित किए गए।[91] 2021-22 में संशोधित अनुमान, बजटीय अनुमान के बराबर ही रहे।
- इनमें से 30% छात्रवृत्तियां छात्राओं के लिए निर्धारित हैं। छात्रवृत्ति डीबीटी के माध्यम से विद्यार्थियों के बैंक खातों में हस्तांतरित की जाती है। तालिका 28 में 2012-13 से तीन छात्रवृत्ति योजनाओं के लाभार्थियों की संख्या दर्शाई गई है।

तालिका 2: प्रदान की गई छात्रवृत्तियों की संख्या (लाख में)

वर्ष	प्री-मैट्रिक	पोस्ट-मैट्रिक	मेरिट-कम-मीन्स
2012-13	64.4	7.6	0.7
2013-14	77.9	8.9	1.0
2014-15	75.0	9.1	1.4
2015-16	51.8	6.7	1.3
2016-17	41.5	6.2	1.2
2017-18	53.1	7.0	1.2
2018-19	56.9	6.8	1.2
2019-20	55.7	7.4	1.2
2020-21	52.4	6.6	1.2
2021-22*	57.1	7.2	1.3
कुल	**585.8**	**73.5**	**11.7**

नोट: 2021-22 के आंकड़े 6 दिसंबर, 2022 तक के हैं।
स्रोत: प्रेस सूचना ब्यूरो।

- मंत्रालय ने अल्पसंख्यक समुदायों (मुस्लिम, ईसाई, बौद्ध और सिख) की उन लड़कियों की सहायता के लिए मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय छात्रवृत्ति शुरू की है जो 2006 में वित्तीय सहायता के बिना अपनी शिक्षा जारी नहीं रख सकती हैं।[92]
- स्कूल/कॉलेज की फीस के भुगतान, पाठ्यक्रम की किताबों और स्टेशनरी की खरीद और बोर्डिंग/आवास शुल्क के भुगतान के रूप में सहायता प्रदान की गई।[92] 2022-23 के बाद से इस योजना को बंद कर दिया गया क्योंकि यह उच्च शिक्षा की कई दूसरी फेलोशिप योजनाओं के साथ ओवरलैप हो गई थीं।[92]

***नीतिगत घोषणा**: महिलाओं में सीखने की क्षमता को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति में जेंडर इंक्लूजन फंड का प्रावधान किया गया है।*

- राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 में जेंडर इंक्लूजन फंड (जीआईएफ) का प्रावधान है जिससे लड़कियों के साथ-साथ ट्रांसजेंडर विद्यार्थियों को एक समान गुणवत्ता वाली शिक्षा मिल सके।[93] समग्र शिक्षा के तहत विशिष्ट प्रावधानों के माध्यम से समर्पित संसाधनों को आबंटित करके इन उद्देश्यों को पूरा किया जा रहा है।
- दिसंबर 2021 तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इस फंड को तालिका 29 में दिए गए समग्र शिक्षा अभियान के प्रावधानों पर लागू किया गया है।

तालिका 29: जेंडर इंक्लूजन फंड के जरिए समग्र शिक्षा 2.0 पर व्यय (2021-22 के लिए)

विशेष	राशि (करोड़ रुपए में)
कक्षा VIII तक सभी बच्चों को मुफ्त पाठ्यपुस्तकों का प्रावधान	2,861
कक्षा VIII तक सभी लड़कियों, एससी, एसटी बच्चों और गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) के बच्चों को वर्दी	4,920
कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय	2,442
नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय और छात्रावास	360
रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रतिष्ठान (लड़कियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण)	117
इनसिनेटर्स और सैनिटरी पैड वेडिंग मशीन	56
विशेष जरूरत वाले बच्चों (लड़कियों) के लिए स्टाइपेंड	123

नोट: आंकड़े 1 दिसंबर, 2021 तक के हैं।
स्रोत: शिक्षा मंत्रालय; पीआरएस।

नीतिगत घोषणा: *सरकार ने राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में महिला कैडेटों के प्रवेश को भी मंजूरी दे दी है। महिला कैडेटों का पहला बैच जून 2022 में एनडीए में प्रवेश करेगा। विभिन्न पुलिस बलों में महिला कर्मियों की संख्या 2014 की तुलना में दोगुनी से अधिक हो गई है। सभी 33 सैनिक स्कूलों में छात्राओं का प्रवेश शुरू हो गया है।*

- **थलसेना**: वर्तमान में भारतीय थलसेना की 10 स्ट्रीम्स में महिलाओं को कमीशन दिया जा रहा है। इनमें डॉक्टर और सैन्य नर्सों के रूप में सशस्त्र बल चिकित्सा सेवाओं के अलावा आर्मी सर्विस कॉर्प्स, इंजीनियर कॉर्प्स और इंटेलिजेंस कॉर्प्स शामिल हैं।[94] इसके अलावा सैन्य बल में अन्य तरीकों से भी महिलाओं को शामिल किया जा रहा है, जैसे एसएससी महिला अधिकारियों को स्थायी कमीशन प्रदान करना और एनडीए में महिला कैडेटों को शामिल करना।

तालिका 30: सशस्त्र बलों में महिला अधिकारियों का प्रतिशत

थलसेना*	नौसेना	वायु सेना **
4%	6%	14%

*1 जुलाई, 2022 तक; **1 दिसंबर, 2022 तक (दोनों आंकड़े मेडिकल और डेंटल ब्रांच को छोड़कर हैं)
स्रोत: रक्षा मंत्रालय; पीआरएस।

- **नौसेना**: भारतीय नौसेना में 1991 से महिला अधिकारियों को शामिल किया जा रहा है। तब से भारतीय नौसेना ने महिला अधिकारियों के लिए अपनी सभी शाखाओं को धीरे-धीरे खोला है जिसमें एनडीए से भर्तियां शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 2022 से अग्निपथ योजना के तहत नाविकों के रूप में महिलाओं की भर्तियां की जा रही हैं और 20% रिक्तियां महिलाओं के लिए आरक्षित हैं।
- **वायुसेना**: भारतीय वायुसेना में अधिकारियों की भर्ती जेंडर न्यूट्रल है।[94] वायुसेना की सभी शाखाओं और स्ट्रीम्स में महिला अधिकारियों को शामिल किया जाता है।[94] वायुसेना ने 2015 में सभी लड़ाकू भूमिकाओं में महिला अधिकारियों की भर्ती की प्रयोगात्मक योजना को शुरू किया था और दिसंबर 2022 में इसे स्थायी योजना के रूप में नियमित कर दिया गया है।[94]
- **पुलिस**: गृह मंत्रालय ने 2019 और 2021 में सभी राज्य सरकारों/केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन को एडवाइजरी जारी की है कि कुल पुलिस बल में महिला पुलिस का प्रतिनिधित्व 33% तक किया जाए। इसका उद्देश्य यह है कि हर थाने में कम से कम तीन महिला सब इंस्पेक्टर और 10 महिला पुलिस कांस्टेबल हों।
- 1 जनवरी, 2020 तक कुल पुलिस बलों में महिलाओं की मौजूदगी 10.3% है।[95] तालिका 31 में 2011-12 से महिला पुलिसकर्मियों की संख्या प्रदर्शित की गई है। इस अवधि के दौरान पुलिस में महिलाओं की संख्या 11% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ी है।

तालिका 31: महिला पुलिसकर्मियों की संख्या

वर्ष	पुलिस में महिलाओं की संख्या	पुलिस की कुल संख्या	महिलाओं का %
2011-12	0.84	15.85	5%
2012-13	0.97	16.61	6%
2013-14	1.05	17.23	6%
2014-15	1.11	17.21	6%
2015-16	1.22	17.32	7%
2016-17	1.40	19.26	7%
2017-18	1.70	19.42	9%
2018-19	1.86	20.67	9%
2019-20	2.16	20.92	10%
2020-21	2.17	20.70	10%

नोट: हर वर्ष का डेटा, 1 जनवरी का है। स्रोत: पुलिस अनुसंधान और विकास ब्यूरो; पीआरएस।

- भारत में कुल 33 सैनिक स्कूल हैं।[96] शैक्षणिक वर्ष 2021-22 से सभी 33 सैनिक स्कूलों में छात्राओं को प्रवेश दिया गया है।[96] शैक्षणिक वर्ष 2021-22 के लिए 320 छात्राओं को प्रवेश दिया गया है। स्कूल कक्षा VI में 10% रिक्तियों तक लड़कियों को या 10 छात्राओं को, जो भी अधिक हो, प्रवेश देते हैं। 2022-23 के लिए, 335 रिक्तियां महिला उम्मीदवारों के लिए उपलब्ध हैं।

***नीतिगत घोषणा**: उज्ज्वला योजना महिलाओं को सशक्त बनाने में सफल रही है।*

- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना को मई 2016 में शुरू किया गया था ताकि ग्रामीण और वंचित परिवारों को खाना पकाने का सुरक्षित ईंधन प्रदान किया जा सके। इस योजना में मार्च 2020 तक वंचित परिवारों को आठ करोड़ एलपीजी कनेक्शन देने की परिकल्पना की गई थी। 2021 में उज्ज्वला 2.0 को शुरू किया गया जिसके तहत 1.6 करोड़ अतिरिक्त एलपीजी कनेक्शन आबंटित किए जाएंगे और प्रवासी परिवारों को विशेष सुविधा दी जाएगी।[97]
- 24 नवंबर, 2022 तक योजना के तहत 9.6 करोड़ कनेक्शन दिए गए जिसमें से उज्ज्वला 2.0 के जरिए 1.57 कनेक्शन प्रदान किए गए।[98] 2021-22 में योजना के लिए 1,618 करोड़ रुपए आबंटित किए गए (संशोधित अनुमान) जो 2022-23 में कम होकर 800 करोड़ रुपए हो गया (बजटीय अनुमान)।[99]
- केंद्र सरकार ने पीएमयूवाई उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलो के घरेलू सिलिंडर पर 200 रुपए की सबसिडी की घोषणा की।[100] यह 2022-23 में एक साल में अधिकतम 12 रीफिल्स पर लागू होगा।

***नीतिगत घोषणा**: दिव्यांग लोगों को अब तक 25 लाख से अधिक सहायक उपकरण प्रदान किए जा चुके हैं और लगभग 4,000 सफल कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी की जा चुकी हैं। दिव्यांग युवाओं के भविष्य के लिए 10,000 शब्दों का भारतीय सांकेतिक भाषा शब्दकोश भी विकसित किया गया है।*

- एड्स की खरीद या फिटिंग के लिए विकलांग व्यक्ति को सहायता (एडीआईपी) योजना के तहत 2013-14 से 2021-22 के बीच 1,361 करोड़ रुपए की लागत से 22 लाख लाभार्थियों को हीयरिंग एड्स प्रदान किए गए हैं।[101] अप्रैल 2022 तक एआईडीपी के तहत 4,007 कॉक्लियर इम्प्लांट सर्जरी सफलतापूर्वक की जा चुकी हैं।[101]
- भारतीय सांकेतिक भाषा शब्दकोश का पहला संस्करण मार्च, 2018 में 3,000 शब्दों के साथ और दूसरा संस्करण 3,000 अतिरिक्त शब्दों के साथ फरवरी, 2019 में जारी किया गया था।[101] 10,000 शब्दों वाले शब्दकोश का तीसरा संस्करण फरवरी 2021 में जारी किया गया था। इसमें पिछले संस्करणों से 6,000 शब्द शामिल हैं।

शहरी एवं ग्रामीण विकास

नीतिगत घोषणा: प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत गरीबों को दो करोड़ से अधिक पक्के मकान उपलब्ध कराए गए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत विगत तीन वर्षों में लगभग डेढ़ लाख करोड़ रुपए की लागत से 1 करोड़ 17 लाख आवास स्वीकृत किए गए हैं।

- **पीएमएवाई-शहरी (पीएमएवाई-यू)** एक किफायती आवास योजना है जो 2022 तक 'सभी के लिए आवास' लक्ष्य को प्राप्त करने का प्रयास करती है। 2022-23 में इस योजना को 28,000 करोड़ रुपए आबंटित किए गए हैं।

तालिका 32: पीएमएवाई के तहत मकानों का निर्माण (लाख में)

मंजूर मकान	निर्माण के लिए खुदाई शुरू	मंजूर मकानों की तुलना में निर्माणाधीन मकानों का %	पूरे हुए मकान	मंजूर मकानों की तुलना में पूरे हुए मकानों का %
122.69	106.6	87	65.5	53

स्रोत: अतारांकित प्रश्न संख्या 2702, लोकसभा, आवास एवं शहरी मामलों का मंत्रालय, 22 सितंबर, 2022; पीआरएस।

- इस योजना में चार घटक शामिल हैं: (i) निजी भागीदारी के माध्यम से मौजूदा झुग्गीवासियों (मलिन बस्तियों के तहत मौजूदा भूमि का उपयोग करके झुग्गीवासियों को घर उपलब्ध कराने के लिए) का यथास्थान पुनर्वास, (ii) आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों (ईडब्ल्यूएस), निम्न आय समूह (एलआईजी), और मध्यम आय वर्ग (एमआईजी) के लिए क्रेडिट लिंक्ड सबसिडी योजना (सीएलएसएस), (iii) साझेदारी में किफायती आवास, और (iv) लाभार्थी के नेतृत्व वाले व्यक्तिगत घर निर्माण के लिए सबसिडी। पीएमएवाई-यू पहले 31 मार्च, 2022 तक लागू था। स्वीकृत घरों को पूरा करने के लिए सीएलएसएस घटक को छोड़कर इसे 31 दिसंबर, 2024 तक बढ़ा दिया गया है।[102]
- **प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी)** को 2016 में शुरू किया गया था जोकि केंद्र सरकार के 2022 तक सबको आवास प्रदान करने के लक्ष्य का अंग है। मार्च 2021 में योजना को मार्च 2024 तक के लिए बढ़ा दिया गया।[103] योजना का लक्ष्य 2024 तक बुनियादी सुविधाओं के साथ, 2.95 करोड़ पक्के मकानों का निर्माण है। 2022-23 में योजना के लिए 20,000 करोड़ रुपए आबंटित किए गए जोकि 2021-22 के संशोधित अनुमानों (20,390 करोड़ रुपए) की तुलना में 2% कम है।[104]
- 2016-17 में योजना की घोषणा के बाद से मकानों के निर्माण का लक्ष्य किसी भी वर्ष पूरा नहीं हुआ है। 27 जनवरी, 2023 तक 2.81 करोड़ मकानों को मंजूरी दी गई लेकिन इनमें से 2.12 करोड़ (75%) का निर्माण हुआ।[105] ग्रामीण विकास संबंधी स्टैंडिंग कमिटी (2020) ने कहा था कि योजना के तहत प्रगति धीमी है।[106] मकानों के समय पर न बन पाने के मुख्य कारणों में से एक यह है कि पीएमएवाई-जी के तहत लाभार्थियों को किस्त जारी करने में देरी होती है।[103]
- पीएमएवाई-जी के तहत ग्रामीण परिवारों को आवासीय इकाई के निर्माण के लिए मैदानी इलाकों में 1.20 लाख रुपए और पहाड़ी/कठिन/पिछड़े क्षेत्रों में 1.30 लाख रुपए की वित्तीय सहायता भी प्रदान की जाती है।[107] ग्रामीण विकास संबंधी स्टैंडिंग कमिटी (2019) ने कहा था कि प्रदान की गई वित्तीय सहायता निर्माण, सामग्री और गृह निर्माण के अन्य पहलुओं की बढ़ती महंगाई के अनुपात में नहीं है।[108] ग्रामीण विकास मंत्रालय (2022) के अनुसार वर्तमान में पीएमएवाई-जी के तहत प्रदान की जाने वाली सहायता को बढ़ाने का कोई प्रस्ताव नहीं है।[109]

***नीतिगत घोषणा**: जल जीवन मिशन के तहत छह करोड़ ग्रामीण परिवारों को नल से पानी का कनेक्शन प्रदान किया गया।*

- जल जीवन मिशन का लक्ष्य 2024 तक सभी ग्रामीण परिवारों को व्यक्तिगत घरेलू नल जल कनेक्शन प्रदान करना है।[110] 11 जनवरी, 2023 तक 19.2 करोड़ ग्रामीण परिवार थे, जिनमें से 10.8 करोड़ परिवारों (56%) को नल के पानी के कनेक्शन प्रदान किए गए हैं।[110]

- वर्ष 2019-21 के लिए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण- 5 के अनुसार, सभी शहरी परिवारों (99%) और ग्रामीण परिवारों (95%) के पास पीने के पानी के बेहतर स्रोत तक पहुंच है (इसमें पाइप का पानी, बोरहोल या वर्षा जल शामिल है)।[111] ग्रामीण परिवार ज्यादातर नलकूपों या बोरहोल (46%) पर निर्भर हैं, 23% के घरों में पाइप से पानी आता है। इसके विपरीत, 54% शहरी परिवारों के पास पीने का पानी, उनके घरों में पाइप से आता है। उल्लेखनीय है कि 58% परिवार अपने पीने के पानी का ट्रीटमेंट नहीं करते।

नीतिगत घोषणा: *स्वामित्व योजना ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को संपत्ति के दस्तावेज उपलब्ध कराती है। इस योजना के तहत 27,000 गांवों में 40 लाख से अधिक संपत्ति कार्ड जारी किए गए हैं। इन कार्ड्स से विवादों का निवारण होता है और ग्रामीण आबादी को बैंकिंग सहायता प्राप्त करने में मदद मिलती है।*

- स्वामित्व योजना का उद्देश्य संपत्ति कार्ड/टाइटिल डीड्स के जरिए गांवों में बसाहट वाले ग्रामीण मकान मालिकों को स्वामित्व अधिकार का रिकॉर्ड प्रदान करना है। यह योजना अप्रैल 2021 में शुरू की गई थी और इसका लक्ष्य 2020-21 और 2024-25 के बीच 6.62 लाख गांवों को कवर करना है।[112,113]
- जनवरी 2023 तक 51,074 गांवों में 49 लाख कार्ड जारी किए गए हैं।[112] 49 लाख कार्डों में से उत्तर प्रदेश में 32 लाख, इसके बाद मध्य प्रदेश (10 लाख) और हरियाणा (4 लाख) में जारी किए गए हैं।

नीतिगत घोषणा: *वर्ष 2020-21 में ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिदिन 100 किमी से अधिक की दर से 36,500 किमी सड़कों का निर्माण किया गया है तथा हजारों बस्तियों को बारहमासी सड़कों से जोड़ा गया है।*

- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) को 2000 में शुरू किया गया था जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सभी पात्र असंबद्ध बस्तियों को बारहमासी सड़कों से जोड़ना था। योजना के चार अलग-अलग वर्टिकल हैं।
- पहले चरण में 250 से अधिक लोगों की आबादी वाली बस्तियों को लक्षित किया गया है। चरण II को 2013 में शुरू किया गया था ताकि रूट्स और प्रमुख ग्रामीण लिंक्स के माध्यम से बनने वाली 50,000 किमी सड़कों को अपग्रेड किया जा सके। 2016 में पीएमजीएसवाई के तहत एक अलग वर्टिकल के रूप में वामपंथी अतिवाद प्रभावित क्षेत्रों (आरसीपीएलडब्ल्यूईए) के लिए सड़क संपर्क परियोजना शुरू की गई थी।
- पीएमजीएसवाई - चरण III को 2019 में शुरू किया गया था। इसके तहत ग्रामीण कृषि बाजारों, स्कूलों और अस्पतालों से ग्रामीण लिंक के माध्यम से 1.2 लाख किलोमीटर सड़क मार्ग को समेकित करना था।[114]

तालिका 33: पीएमजीएसवाई के तहत मंजूर और पूरी हुई कुल सड़कों की लंबाई (किलोमीटर में)

वर्टिकल	समय सीमा	मंजूर	पूरी हुई	पूरा होने का %
पीएमजीएसवाई-I	सितंबर 2022*	6,30,090	6,21,113	99%
पीएमजीएसवाई -II	सितंबर 2022	49,364	48,377	98%
पीएमजीएसवाई -III	मार्च, 2025	96,722	48,904	51%
आरसीपीएलडब्ल्यूईए	मार्च, 2023	12,047	6,717	56%

* पीएमजीएसवाई-I के तहत समय सीमा को सितंबर 2022 तक बढ़ा दिया गया था। नोट: आरसीपीएलडब्ल्यूईए- वामपंथी अतिवादी प्रभावित क्षेत्रों के लिए सड़क कनेक्टिविटी परियोजना।

स्रोत: पीएमजीएसवाई डैशबोर्ड, 26 जनवरी तक एक्सेस किया गया; तारांकित प्रश्न संख्या 95, जिसका उत्तर 13 दिसंबर, 2022 को दिया गया; ग्रामीण विकास मंत्रालय; पीआरएस।

श्रम

नीतिगत घोषणा: *पीएम-स्वनिधि योजना के तहत 28 लाख रेहड़ी-पटरी वालों को 2900 करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्रदान की गई है। सरकार इन रेहड़ी-पटरी वालों को ऑनलाइन फूड डिलीवरी कंपनियों से भी जोड़ रही है।*

- पीएम स्वनिधि को जून 2020 में शुरू किया गया था जो कोविड-19 से प्रभावित रेहड़ी-पटरीवालों को कोलेट्रल मुक्त कार्यशील पूंजी ऋण की सुविधा प्रदान करता है। यह योजना: (i) कोलेट्रल मुक्त कार्यशील पूंजी ऋण की सुविधा देती है, (ii) 7% प्रति वर्ष की ब्याज सबसिडी के माध्यम से नियमित पुनर्भुगतान को प्रोत्साहित करती है, और (iii) डिजिटल लेनदेन को पुरस्कृत करती है।[115] शहरी रेहड़ी-पटरीवाले 10,000 रुपए तक का कार्यशील पूंजी ऋण प्राप्त करने के पात्र होंगे। समय पर या जल्दी चुकौती पर, विक्रेता बढ़ी हुई सीमा के साथ ऋण के अगले चक्र के लिए पात्र होंगे।[116]
- 20 जनवरी, 2023 तक योजना के तहत शहरी रेहड़ी-पटरीवालों से 61 लाख ऋण आवेदन प्राप्त हुए हैं जिनमें से 5,674 करोड़ रुपए के ऋण की स्वीकृति के लिए 46 लाख आवेदन (75%) स्वीकृत किए गए हैं।[117] स्वीकृत राशि में से 4,716 करोड़ रुपए (83%) वितरित किए जा चुके हैं।

तालिका 34: पीएम स्वनिधि के तहत ऋण विवरण

स्वनिधि	संवितरित ऋणों की संख्या	ऋण की राशि (करोड़ रुपए में)	औसत ऋण आकार (रुपए में)	ऋण को मंजूर करने में लगने वाले औसत दिन
पहले ऋण आवेदन	33,36,205	3,311	9,248	27
दूसरे	7,07,704	1,412	19,950	26
तीसरे	16,280	80	49.361	6

स्रोत: पीएम स्वनिधि डैशबोर्ड, 27 जनवरी, 2023 को एक्सेस किया गया; पीआरएस।

- अक्टूबर 2020 में आवास एवं शहरी मामलों के मंत्रालय ने आवास एवं शहरी मामलों से संबंधित स्टैंडिंग कमिटी को सूचित किया कि मंत्रालय ने रेहड़ी-पटरीवालों द्वारा उत्पादों की बिक्री के लिए स्विगी और ज़ोमैटो के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि इन दो समझौता ज्ञापनों की सफलता और इनसे प्राप्त फीडबैक के आधार पर अन्य ऑनलाइन फूड डिलिवरी प्लेटफॉर्म्स के साथ ऐसे ही ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए जा सकते हैं।[118] एमओयू के तहत, शुरुआत में मंत्रालय छह शहरों में 300 विक्रेताओं के साथ एक पायलट कार्यक्रम चलाएगा।[119] रेहड़ी-पटरीवालों को टेक्नोलॉजी, मेन्यू डिजिटलीकरण और मूल्य निर्धारण, स्वच्छता और पैकेजिंग की उत्तम पद्धतियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्हें पैन और भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) पंजीकरण में भी मदद प्रदान की जाएगी।[119]

नीतिगत घोषणा: *सरकार ने मजदूरों के हितों की रक्षा के लिए ई-श्रम पोर्टल की शुरुआत की है और अब तक 23 करोड़ से अधिक श्रमिक इससे जुड़ चुके हैं।*

- ई-श्रम पोर्टल अगस्त 2021 में शुरू किया गया असंगठित श्रमिकों का एक राष्ट्रीय डेटाबेस है। इस पोर्टल की परिकल्पना केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा लागू की जा रही आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई), प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना जैसी विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को पूरा करने में मदद के लिए की गई थी। ई-श्रम पर पंजीकृत होने वाले असंगठित क्षेत्र के प्रत्येक मजदूर को दो लाख रुपए का दुर्घटना बीमा कवर भी मिलता है।[120]
- 20 जनवरी, 2023 तक इस पोर्टल पर 28.5 करोड़ मजदूरों ने पंजीकरण कर लिया है। जिन पांच प्रमुख राज्यों के मजदूरों ने इस पोर्टल पर पंजीकरण कराया है, उनमें उत्तर प्रदेश (8.3 करोड़), बिहार (2.9 करोड़), पश्चिम बंगाल (2.6 करोड़), मध्य प्रदेश (1.7 करोड़) और महाराष्ट्र (1.3 करोड़) शामिल हैं।[121]
- 2022-23 के केंद्रीय बजट में यह घोषणा की गई थी कि ई-श्रम पोर्टल को राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल, असीम पोर्टल और उद्यम पोर्टल के साथ एकीकृत किया जाएगा।[122] इससे क्रेडिट फेसिलिटेशन, कौशल और भर्तियों में मदद मिलेगी। 8 अगस्त, 2022 में इसे एनसीएस पोर्टल के साथ एकीकृत कर दिया गया।[122]

उद्योग

नीतिगत घोषणा: *सरकार ने 3 लाख करोड़ रुपए के कोलेट्रल मुक्त ऋण की गारंटी के लिए एक योजना शुरू की। हाल के अध्ययनों से पता चलता है कि इस योजना ने 13 लाख 50 हजार एमएसएमई इकाइयों को नया जीवन दिया है और 1 करोड़ 50 लाख नौकरियां भी हासिल की हैं। जून 2021 में सरकार ने क्रेडिट गारंटी को 3 लाख करोड़ रुपए से बढ़ाकर 4.5 लाख करोड़ रुपए कर दिया है।*

- आपातकालीन क्रेडिट लाइन गारंटी योजना मई 2020 में आत्मनिर्भर भारत अभियान के हिस्से के रूप में शुरू की गई थी। यह योजना कोविड-19 महामारी के बाद ऑपरेशनल देनदारियों को पूरा करने के लिए सूक्ष्म लघु मध्यम उद्यमों (एमएसएमईज़) और व्यावसायिक उद्यमों को सहायता प्रदान करती है। योजना के तहत सदस्य ऋणदाता संस्थाएं जो पात्र ऋणकर्ताओं को ऋण प्रदान करती हैं, उन्हें सरकार द्वारा 100% ऋण गारंटी प्रदान की जाती है। ऋण की लागत को कम करने के लिए इन ऋणों पर ब्याज दरें भी सीमित हैं।[123]
- शुरुआत के बाद से योजना की समय-सीमा कई बार बढ़ाई जा चुकी है। नवंबर 2020 से योजना को 30 जून, 2021 तक या कुल तीन लाख करोड़ रुपए की गारंटी जारी होने तक, जो भी पहले हो, बढ़ा दिया गया था। इसे फिर से 31 मार्च, 2022 तक या जारी की गई कुल गारंटी 4.5 लाख करोड़ रुपए पहुंचने तक, जो भी पहले हो, बढ़ा दिया गया था। अगस्त 2022 में स्वीकार्य गारंटी सीमा को फिर से 4.5 लाख करोड़ रुपए से बढ़ाकर 5 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया। अतिरिक्त 50,000 करोड़ रुपए हॉस्पिटैलिटी और नागरिक उड्डयन सहित संबंधित क्षेत्रों के उद्यमों के लिए निर्धारित किए गए थे। योजना की वैधता भी 31 मार्च, 2023 तक बढ़ा दी गई थी।[124]
- 30 नवंबर, 2022 तक योजना के तहत 3.58 लाख करोड़ रुपए की गारंटी जारी की जा चुकी है जिससे 1.19 करोड़ कर्जदार लाभान्वित हुए हैं। 95.17% ऋण (1.13 करोड़) एमएसएमई को वितरित किए गए, जिनकी राशि 2.37 लाख करोड़ रुपए थी।[125]
- जून 2020 में एमएसएमई की परिभाषा में संशोधन किया गया।[126] पिछली परिभाषा में मैन्यूफैक्चरिंग और सेवा उद्यमों के बीच अंतर था, लेकिन नई परिभाषा निवेश और टर्नओवर पर आधारित है। इसके बाद एमएसएमई मंत्रालय ने 1 जुलाई, 2020 को उद्योग पंजीकरण पोर्टल लॉन्च किया। अगस्त 2022 तक पोर्टल पर एक करोड़ से अधिक एमएसएमई पंजीकृत थे जो कुल मिलाकर 7.6 करोड़ लोगों को रोजगार देते हैं। इनमे से 1.7 करोड़ महिलाएं हैं।[127]
- जुलाई 2022 में रेसिंग एंड एसलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस (रैंप) योजना शुरू की गई।[128] यह 6,062 करोड़ रुपए के कुल परिव्यय के साथ विश्व बैंक से सहायता प्राप्त कार्यक्रम है। यह दो परिणामी क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करेगी: (i) संस्थानों और एमएसएमई कार्यक्रम के गवर्नेंस को मजबूत करना, और (ii) बाजार तक पहुंच, दृढ़ क्षमताओं और वित्त तक पहुंच को सहयोग देना। कुल परिव्यय में से 3,750 करोड़ रुपए विश्व बैंक से ऋण होगा, जो कुछ शर्तों को पूरा करने पर वितरित किया जाएगा। इनमें राष्ट्रीय एमएसएमई सुधार एजेंडा को लागू करना और एमएसएमई को विलंबित भुगतान के मामलों को कम करना शामिल है।[129]

नीतिगत घोषणा: *सरकार ने 1.97 लाख करोड़ रुपए से अधिक के परिव्यय के साथ 14 प्रमुख उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजनाएं शुरू की हैं। ये पीएलआई योजनाएं न केवल भारत को विश्वस्तरीय मैन्यूफैक्चरिंग केंद्र के रूप में बदलने में मदद करेंगी बल्कि 60 लाख से अधिक नौकरियां भी पैदा करेंगी।*

- 2020 में केंद्र सरकार ने 14 प्रमुख क्षेत्रों में पीएलआई योजनाओं की घोषणा की। इन योजनाओं में 1.97 लाख करोड़ रुपए का बजटीय परिव्यय शामिल है, जिसका लक्ष्य पांच वर्षों में 30 लाख करोड़ रुपए का अतिरिक्त उत्पादन प्राप्त करना है।[130] दिसंबर 2022 तक 14 क्षेत्रों के लिए योजनाओं को अधिसूचित कर दिया गया। सभी 14 पीएलआई योजनाओं के तहत आवेदनों को मंजूर कर लिया गया है।[131]

तालिका 35: पीएलआई योजनाएं और बजटीय परिव्यय

क्षेत्र	उत्पाद/लक्ष्यों की श्रेणियां	बजटीय परिव्यय (करोड़ रुपए में)
ऑटो कंपोनेंट्स और ऑटोमोबाइल्स	स्वदेशी उन्नत ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी में निवेश	25,938
उड्डयन	ड्रोन और ड्रोन उत्पाद	120
एडवांस कैमिस्ट्री सेल बैटरी	एकीकृत एडवांस्ड बैटरी और एडवांस कैमिस्ट्री सेल्स	18,100
बड़े स्तर की इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग	मोबाइल फोन्स, विशिष्ट इलेक्ट्रॉनिक कंपोनेंट्स	40,951
आईटी हार्डवेयर	लैपटॉप्स, टैबलेट्स, ऑल-इन-वन पीसी और सर्वर	7,325
खाद्य प्रसंस्करण	प्रसंस्कृत खाद्य और सब्जियां, रेडी टु कुक/रेडी टू ईट फूड्स, समुद्री उत्पाद, ऑर्गेनिक उत्पाद	10,900
स्पेशिएलिटी स्टील	हाई स्ट्रेन्थ/वियर रेसिस्टेंस स्टील, स्पेशिएलिटी रेल्स, मिश्र इस्पात	6,322
फार्मास्यूटिकल मैन्यूफैक्चरिंग	बायो-फार्मास्यूटिकल, कॉम्प्लेक्स जेनेरिक ड्रग्स और पेंटेटेड दवाएं	15,000
की स्टार्टिंग मैटीरियल्स (केएसएम)/ड्रग इंटरमीडिएट्स (थोक दवाएं)	फर्मेंटेशन आधारित नीश मैटेरियल्स और कैमिकल सिन्थेसिस मैटीरियल्स जैसे टारगेट खंडों पर 53 उत्पाद।	6,940
मेडिकल डिवाइस	कैंसर केयर/रेडियोथेरेपी मेडिकल डिवाइस, मेडिकल इमेजिंग उपकरण और इंप्लांट्स	3,420
उच्च दक्षता वाले सोलर पीवी मॉड्यूल्स	सोलर सेल्स और मॉड्यूल्स	24,000
दूरसंचार और नेटवर्किंग उत्पाद	कोर ट्रांसमिशन उपकरण, 4जी/5जी नेक्स्ट जनरेशन रेडियो एक्सेस नेटवर्क और वायरलेस उपकरण	12,195
कपड़ा और एपेरल	एपेरल, बुने हुए फैब्रिक, जियो टेक्सटाइल, और एग्रो-टैक्सटाइल	10,683
व्हाइट गुड्स	एयर कंडीशनर, एलईडी लाइट्स और एलईडी लाइटिंग के कंपोनेंट्स	6,238
कुल		**1,88,132**

नोट: उत्पाद श्रेणी का कॉलम एक व्याख्यात्मक सूची है। स्रोत: कार्यान्वयन मंत्रालयों की वेबसाइट, भारत का राजपत्र; पीआरएस।

नीतिगत घोषणा: *इलेक्ट्रॉनिक्स और टेक्नोलॉजी हार्डवेयर के क्षेत्र में हमारे देश को एक वैश्विक नेता के रूप में विकसित करने के लिए सरकार ने हाल ही में सिलिकॉन और कंपाउंड सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन, डिस्प्ले एफएबी, चिप डिजाइन और संबंधित उपक्रमों के लिए 76,000 करोड़ रुपए के पैकेज की भी घोषणा की है।*

- केंद्रीय मंत्रिमंडल ने दिसंबर 2021 में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले मैन्यूफैक्चरिंग इकोसिस्टम के विकास के लिए कार्यक्रम को मंजूरी दी थी।[132] इस कार्यक्रम का उद्देश्य सेमीकंडक्टर डिजाइन, निर्माण और पैकेजिंग में लगी कंपनियों को प्रोत्साहन प्रदान करना है।[132] सितंबर 2022 में इस योजना को अनुमोदित कंपनियों को सहायता प्रदान करने के लिए संशोधित किया गया था।[133] योजना के तहत कार्यक्रमों के कार्यान्वयन को आसान बनाने के लिए 2022 में इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन भी स्थापित किया गया था।[134] योजना के तहत छह साल तक सहायता प्रदान की जाएगी।[135] इस योजना के तहत कुल परिव्यय 76,000 करोड़ रुपए होने का अनुमान है।[134]
- संशोधित योजना के तहत प्रोत्साहनों में निम्नलिखित शामिल हैं: (i) भारत में सेमीकंडक्टर फैब और डिस्प्ले फैब स्थापित करने के लिए परियोजना लागत के 50% का वित्तीय सहयोग, (ii) कंपाउंड सेमीकंडक्टर/सिलिकॉन फोटोनिक्स/सेंसर फैब्स और इसी तरह की इकाइयां स्थापित करने के लिए पूंजीगत व्यय के 50% का वित्तीय सहयोग, और (iii) सेमीकंडक्टर्स और सेमीकंडक्टर घटकों का निर्माण करने वाली घरेलू कंपनियों का सहयोग करने के लिए उत्पाद डिजाइन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना।[136] सेमी-कंडक्टर लैब, मोहाली के आधुनिकीकरण को भी मंजूरी दी गई।[136]
- फरवरी 2022 तक सेमीकंडक्टर फैब के लिए तीन और डिस्प्ले फैब के लिए दो आवेदन प्राप्त हुए थे, जिसमें अनुमानित संचयी निवेश 1.5 लाख करोड़ रुपए था।[137] इसके अलावा तीन कंपनियों ने सेमीकंडक्टर डिजाइन के लिए, चार सेमीकंडक्टर पैकेजिंग के लिए और एक कम्पाउंड सेमीकंडक्टर्स के लिए आवेदन किया। सितंबर 2022 में गुजरात सरकार ने सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले फैब के निर्माण के लिए वेदांता-फॉक्सकॉन ग्रुप के साथ 1.54 लाख करोड़ रुपए के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।[138]

नीतिगत घोषणा: *वर्तमान में भारतीय फार्मा कंपनियों के उत्पाद 180 से अधिक देशों में पहुंच रहे हैं। मेरी सरकार द्वारा फार्मा उद्योग के लिए घोषित पीएलआई योजना अवसरों का और विस्तार करेगी और अनुसंधान को भी गति प्रदान करेगी।*

- जनवरी और दिसंबर 2021 के बीच 215 देशों को ड्रग फॉर्मूलेशन, बायोलॉजिकल, आयुष और हर्बल उत्पाद, बल्क ड्रग्स, ड्रग इंटरमीडिएट और सर्जिकल सहित फार्मा उत्पादों का निर्यात किया गया।[139]
- फार्मास्यूटिकल्स विभाग फार्मा और संबंधित क्षेत्रों में घरेलू मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए तीन पीएलआई योजनाओं की पेशकश करता है। फार्मास्यूटिकल्स के लिए पीएलआई को 24 फरवरी, 2021 को मंजूरी दी गई थी और 2028-29 में समाप्त होने वाली छह साल की अवधि के लिए इसकी योजना बनाई गई है। वृद्धिशील बिक्री पर प्रोत्साहन की दर 6% से 10% के बीच होगी। योजना का कुल परिव्यय 15,000 करोड़ रुपए है।[140] दिसंबर 2022 तक योजना के तहत 55 चयनित आवेदकों के लिए लगभग 1,666 उत्पादों को मंजूरी दी गई है।[141]
- महत्वपूर्ण स्टार्टिंग मैटीरियल्स/ड्रग इंटरमीडिएट्स की घरेलू मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए पीएलआई को 21 जुलाई, 2020 को अधिसूचित किया गया था और इसकी समयावधि 2029-30 में समाप्त होगी।[142] योजना का कुल परिव्यय 6,940 करोड़ रुपए है। बिक्री पर प्रोत्साहन की दर 5% से 20% के बीच होगी। 9 दिसंबर, 2022 तक 34 मीट्रिक टन की स्थापित क्षमता वाली 21 परियोजनाओं को चालू किया जा चुका है।[141]
- चिकित्सा उपकरणों के लिए पीएलआई को 20 मार्च, 2020 को मंजूरी दी गई थी और इसकी अवधि 2024-25 में समाप्त होने की योजना है। नीति आयोग के सीईओ, विदेश व्यापार महानिदेशक और विभिन्न विभागों के सचिवों वाली एक अधिकार प्राप्त समिति द्वारा निर्धारित सीमा के अधीन वृद्धिशील बिक्री के आधार पर प्रति कंपनी प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। योजना के लिए नियोजित परिव्यय 400 करोड़ रुपए है।[143] योजना के तहत 21 आवेदकों को प्रोत्साहन राशि प्रदान करने को मंजूरी दी गई है।[144]

नीतिगत घोषणा*: सरकार ने लगभग 4,500 करोड़ रुपए के निवेश के साथ सात मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन और अपैरल पार्क को मंजूरी दी है। यह एकीकृत कपड़ा मूल्य श्रृंखला की सुविधा प्रदान करेगा। ये मेगा टेक्सटाइल पार्क भारतीय और विदेशी दोनों निवेशकों को आकर्षित करेंगे और रोजगार के लाखों नए अवसर पैदा करेंगे।*

- अक्टूबर 2021 में केंद्र सरकार ने ग्रीनफील्ड/ब्राउनफील्ड साइट्स में सात पीएम मेगा इंटीग्रेटेड टेक्सटाइल रीजन एंड अपैरल (पीएम मित्रा) पार्क स्थापित करने को मंजूरी दी।[145] 2027-28 तक सात साल की अवधि के लिए इस योजना का परिव्यय 4,445 करोड़ रुपए है।[146] योजना के तहत, बड़े पैमाने पर औद्योगिक सुविधाओं का विकास किया जाएगा, जिसमें कपड़ा उद्योग की संपूर्ण मूल्य-श्रृंखला होगी।[146]
- दिसंबर 2022 तक कपड़ा मंत्रालय को ऐसे पार्कों की स्थापना के लिए 13 राज्यों से 18 प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। इन राज्यों में कर्नाटक, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु शामिल हैं।[147]

नीतिगत घोषणा*: खादी उत्पादों की बिक्री 2014 से देश में तिगुनी हो गई है।*

- 2014-15 और 2021-22 के बीच खादी की बिक्री में 332% की वृद्धि हुई, जबकि उत्पादन में 191% की वृद्धि हुई। खादी क्षेत्र ने पिछले वर्ष (2020-21) की तुलना में 2021-22 में 43.2% की वृद्धि दर्ज की।[148]

नीतिगत घोषणा*: देश 2014 में 6,600 करोड़ रुपए के आयुष उत्पादों का निर्यात करता था। यह निर्यात अब बढ़कर 11,000 करोड़ रुपए से अधिक हो गया है। भारत दुनिया का पहला 'डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर ऑफ ट्रेडिशनल मेडिसिन' स्थापित करने जा रहा है।*

- वाणिज्यिक खुफिया और सांख्यिकी महानिदेशालय के आंकड़ों के अनुसार, 2014-15 में 2,169 करोड़ रुपए के आयुष उत्पादों का निर्यात किया गया था। यह 2021-22 (13% सीएजीआर) में बढ़कर 4,564 करोड़ रुपए हो गया है।[139] भारत 180 देशों को आयुष उत्पादों का निर्यात करता है। इन उत्पादों के सबसे बड़े आयातक यूएसए, जर्मनी, चीन और संयुक्त अरब अमीरात हैं।[139]

- 29 जून, 2022 तक आयुष मंत्रालय और डब्ल्यूएचओ ने जामनगर, गुजरात में पारंपरिक चिकित्सा के लिए डब्ल्यूएचओ ग्लोबल सेंटर स्थापित करने के लिए एक होस्ट कंट्री एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए थे। केंद्र सदस्य देशों को नीतियां बनाने और लागू करने में मदद करेगा जो उनके संबंधित देशों में पारंपरिक औषधीय प्रणालियों को मजबूत करेगा।

तालिका 36: आयुष उत्पादों के वार्षिक निर्यात का मूल्य (मिलियन USD में)

वर्ष	201 7-18	201 8-19	201 9-20	202 0-21	202 1-22	202 2-23
निर्यात	456	448	428	54	612	408

स्रोत: वाणिज्यिक खुफिया और सांख्यिकी महानिदेशालय; पीआरएस।

- केंद्र की देखरेख के लिए डब्ल्यूएचओ और आयुष मंत्रालय के अधिकारियों की एक संयुक्त टास्क फोर्स बनाई गई है।[149]

नीतिगत घोषणा: *2016 के बाद से हमारे देश में 56 विभिन्न क्षेत्रों में 60,000 नए स्टार्ट-अप स्थापित किए गए हैं। 2021 में कोरोना काल के दौरान भारत में 40 से अधिक यूनिकॉर्न स्टार्ट-अप उभरे हैं जिनमें से प्रत्येक का न्यूनतम बाजार मूल्य 7,400 करोड़ रुपए है।*

- स्टार्टअप इंडिया योजना को जनवरी 2016 में शुरू किया गया था।[150] 23 जनवरी, 2023 तक उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने 89,083 स्टार्टअप्स को मान्यता दी है।[151] स्टार्टअप्स योजना के लिए 10,000 करोड़ के कॉरपस के साथ फंड ऑफ फंड्स को 2016 में स्थापित किया गया जिससे स्टार्टअप्स में निवेश को बढ़ाया जा सके।[152] फंड सेबी-पंजीकृत वैकल्पिक निवेश कोष (एआईएफ) में निवेश करता है जो बदले में स्टार्टअप में निवेश करते हैं।

- 30 नवंबर, 2022 तक 93 एआईएफ को 7,528 करोड़ रुपए दिए गए हैं, जिन्होंने बदले में 773 स्टार्टअप में निवेश किया है।[153] स्टार्टअप इंडिया सीड फंड 1 अप्रैल, 2021 से लागू किया जा रहा है। योजना के तहत स्टार्टअप्स को स्वीकृत इन्क्यूबेटरों के माध्यम से वित्तीय सहायता दी जाती है।

तालिका 37: स्टार्टअप योजना के लिए फंड ऑफ फंड्स के तहत समर्थन प्राप्त स्टार्टअप्स

वर्ष	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
स्टार्टअप्स की संख्या	120	86	156	191

नोट: 2022-23 का डेटा 30 नवंबर, 2022 तक का है।
स्रोत: लोकसभा अतारांकित प्रश्न संख्या 2508, जिसका उत्तर दिसंबर 2022 में दिया गया; पीआरएस।

- 2021-22 से चार साल की अवधि के लिए इसका परिव्यय 945 करोड़ रुपए है। 126 इन्क्यूबेटरों को 455 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं और 186 करोड़ रुपए संवितरित किए गए हैं।[153]

नीतिगत घोषणा*: स्टार्ट-अप बौद्धिक संपदा संरक्षण कार्यक्रम के माध्यम से सरकार ने पेटेंट और ट्रेडमार्क से संबंधित प्रक्रियाओं को सरल और तेज किया है। परिणामस्वरूप इस वित्तीय वर्ष में लगभग 6 हजार पेटेंट और 20,000 से अधिक ट्रेडमार्क्स के लिए आवेदन किया गया है।*

- स्टार्ट-अप बौद्धिक संपदा संरक्षण योजना (एसआईपीपी) को केंद्र सरकार द्वारा शुरू किया गया। इसके तहत वैधानिक शुल्क का भुगतान करके पंजीकृत सहायकों के माध्यम से पेटेंट, डिजाइन और ट्रेडमार्क का आवेदन दाखिल करने की सुविधा दी जाती है।[154] शुल्क का भुगतान पेटेंट डिजाइन और ट्रेडमार्क महानियंत्रक के कार्यालय द्वारा किया जाता है। यह योजना 31 मार्च, 2023 तक लागू है।[155]

- स्टार्टअप द्वारा दायर पेटेंट आवेदन 2016-17 में 179 से बढ़कर 2021-22 में 1,500 हो गए हैं, जबकि इसी अवधि के दौरान ट्रेडमार्क आवेदन 4 से बढ़कर 8,649 हो गए हैं। कुल मिलाकर, 2016-17 और 2021-22 (अक्टूबर तक) के बीच स्टार्टअप्स के पास 7,430 पेटेंट आवेदन और 28,749 ट्रेडमार्क आवेदन हैं।[155]

इंफ्रास्ट्रक्चर

नीतिगत घोषणा: *मार्च 2014 में 90,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों की तुलना में आज हमारे पास 1,40,000 किलोमीटर से अधिक राष्ट्रीय राजमार्ग हैं। भारतमाला परियोजना के तहत 20,000 किलोमीटर से अधिक के राजमार्गों का निर्माण कार्य प्रगति पर है जिसका परिव्यय लगभग 6 लाख करोड़ रुपए है। इनमें 23 ग्रीन एक्सप्रेसवे और ग्रीन-फील्ड कॉरिडोर शामिल हैं।*

- 2018 में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने भारतमाला परियोजना शुरू की। इसका उद्देश्य देश भर में माल और लोगों की कुशल आवाजाही को सुनिश्चित करना है। परियोजना के पहले चरण के तहत 5.4 लाख करोड़ रुपए की लागत से 34,800 किलोमीटर को मंजूरी दी गई है। दिसंबर 2022 तक 11,400 किमी का निर्माण किया जा चुका है।[156]
- 31 मार्च, 2021 तक भारत में राष्ट्रीय राजमार्गों की कुल लंबाई 1.41 लाख किलोमीटर थी।[157] मंत्रालय ने 2022-23 में 12,200 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग बनाने का लक्ष्य रखा था। नवंबर, 2022 तक 4,766 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग (वार्षिक लक्ष्य का 39%) का निर्माण किया जा चुका है।[158]

तालिका 38: राष्ट्रीय राजमार्गों की लंबाई तथा राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास एवं मरम्मत पर व्यय

वर्ष	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19
लंबाई ('000 किमी में)	79.1	91.3	97.9	101	114.1	126.3	132.5
व्यय (करोड़ रुपए में)	41,998	52,901	49,528	96,139	92,304	1,19,353	1,58,959

नोट: व्यय में सरकार और निजी संस्थाओं द्वारा व्यय शामिल है।
स्रोत: बुनियादी सड़क सांख्यिकी, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय; पीआरएस।

नीतिगत घोषणा: *पिछले सात वर्षों में 24,000 किमी रेल मार्ग का बिजलीकरण किया गया है। नई रेल पटरियां बिछाने और डबल लेन करने का काम भी तेजी से चल रहा है।*

- 2014-15 और 2020-21 के बीच 24,874 रूट किलोमीटर रेल मार्गों का विद्युतीकरण किया गया है।[159,160] भारतीय रेलवे ने 2021-22 तक सभी ब्रॉड गेज रेल मार्गों का 100% बिजलीकरण करने का लक्ष्य रखा था।[159] नवंबर 2022 तक ब्रॉड गेज नेटवर्क का 83% बिजलीकरण किया जा चुका है।[161]

तालिका 39: बिछाए गए नए ट्रैक और डबल लाइनिंग (किमी में)

वर्ष	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
नई लाइन	953	409	480	360	286
डबल लाइनिंग	882	999	2519	1,458	1,614

स्रोत: भारतीय रेलवे ईयरबुक्स; पीआरएस।

तालिका 40: वार्षिक रेलवे बिजलीकरण (रूट किलोमीटर)

वर्ष	2012-13	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21
लंबाई	1,317	1,350	1,375	1,730	2,013	4,087	5,276	4,378	6,015

स्रोत: भारतीय रेलवे ईयरबुक्स; पीआरएस।

नीतिगत घोषणा: *11 मेट्रो रूट शुरू हो गए हैं जिससे 8 राज्यों में हर दिन लाखों लोग लाभान्वित हो रहे हैं।*

- अप्रैल 2022 तक दिल्ली, मुंबई, बैंगलोर और चेन्नई सहित 19 शहरों में मेट्रो चालू हैं। इन्हें मिलाकर लगभग 742 किलोमीटर मेट्रो रेल लाइन हो जाती हैं।[162] मेट्रो/रीजनल रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम प्रोजेक्ट 27 शहरों में निर्माणाधीन हैं।
- दिल्ली और मुंबई के अलावा अन्य शहरों (जैसे हैदराबाद, लखनऊ, कोलकाता और कोच्चि) में मेट्रो में ब्रेकइवन के लिए आवश्यक सवारियों की संख्या कम है।[162] 2021 में कैग की एक रिपोर्ट में दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन के परिचालन प्रदर्शन में अक्षमता पर भी गौर किया गया था।[163]

नीतिगत घोषणा: *देश के महत्वपूर्ण व्यावसायिक केंद्रों को बंदरगाहों से जोड़ने के लिए सागरमाला कार्यक्रम के तहत 80 से अधिक संपर्क परियोजनाओं पर भी काम चल रहा है। अब तक 24 राज्यों में पांच मौजूदा राष्ट्रीय जलमार्गों और 106 नए जलमार्गों को राष्ट्रीय जलमार्गों के रूप में घोषित किया गया है जिससे राष्ट्रीय जलमार्गों की कुल संख्या 111 हो गई है। इनमें से 23 जलमार्ग कार्गो के परिवहन के लिए सक्षम हैं।*

- सागरमाला कार्यक्रम का उद्देश्य देश की लगभग 7,500 किलोमीटर लंबी तटसीमा के साथ बंदरगाहों के जरिए विकास को बढ़ावा देना है। योजना के तहत 5.5 लाख करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से 800 से अधिक परियोजनाओं को चिन्हित किया गया है जिसे 2015 और 2035 के बीच लागू किया जाएगा।[164]
- मार्च 2022 में परिवहन, पर्यटन और संस्कृति पर संसद की स्टैंडिंग कमिटी ने एक रिपोर्ट में कहा कि 94,712 करोड़ रुपए की कुल लागत से 802 परियोजनाओं में से 181 पूरी हो चुकी हैं।[165] 2020-21 तक 76 बंदरगाह आधुनिकीकरण परियोजनाएं पूरी की जा चुकी हैं। 2020-21 में, केवल एक को पूरा किया गया था।[165]
- 22 जुलाई, 2022 तक सागरमाला कार्यक्रम के तहत 217 पोर्ट कनेक्टिविटी परियोजनाएं चल रही थीं। स्टैंडिंग कमिटी ने यह भी कहा कि बंदरगाह आधुनिकीकरण के तहत लागत में 20,000 करोड़ रुपए की वृद्धि हुई है।[165] 2022-23 में सागरमाला के तहत परियोजनाओं के लिए 413 करोड़ रुपए आबंटित किए गए थे।[164]
- दिसंबर 2021 में राष्ट्रीय जलमार्ग एक्ट, 2016 के तहत 111 जलमार्गों को राष्ट्रीय जलमार्ग घोषित किया गया था।[166] इनमें से 26 को भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण द्वारा कार्गो/यात्री आवाजाही के लिए वायबल पाया गया है।[167] अप्रैल 2021 से फरवरी 2022 के बीच इन जलमार्गों से 9.63 करोड़ मीट्रिक टन कार्गो की ढुलाई की गई।[168]

नीतिगत घोषणा: *नदियों को जोड़ने की योजना को भी सरकार ने आगे बढ़ाया है। 45,000 करोड़ रुपए की लागत से केन-बेतवा लिंक परियोजना को पूरा करने की मंजूरी मिल चुकी है।*

- राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य योजना के अनुसार, व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार करने के लिए राष्ट्रीय जल विकास एजेंसी द्वारा 30 नदी-लिंक्स की पहचान की गई है।[169] दिसंबर 2022 तक आठ परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार की जा चुकी है। केवल एक केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए कार्यान्वयन शुरू हुआ है। इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन से जलापूर्ति में वृद्धि, बाढ़ नियंत्रण में सुधार और पनबिजली उत्पादन में सुधार तथा रोजगार के अवसर सृजित होने की उम्मीद है।[169]
- केन-बेतवा लिंक परियोजना को 8 दिसंबर, 2021 को मंजूरी दी गई थी। इसके 45,000 करोड़ रुपए की लागत से आठ साल में पूरा होने की उम्मीद है।[170] वर्ष 2021-22 में परियोजना पर 4,642 करोड़ रुपए का व्यय किया गया। इसका बजट आबंटन 4,639 करोड़ रुपए था। 2022-23 के लिए 1,400 करोड़ रुपए का बजटीय आबंटन किया गया है, जिसमें से 395 करोड़ रुपए (दिसंबर 2022 तक) खर्च किए जा चुके हैं।[169]

नीतिगत घोषणा: *इंफ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण के उद्देश्य से सरकार द्वारा 27,000 सर्किट किलोमीटर से अधिक की ट्रांसमिशन लाइनें भी बिछाई गई हैं।*

- ऊर्जा मंत्रालय ने 2020-21 और 2021-22 में क्रमश: 16,750 सर्किट किमी और 14,895 सर्किट किमी ट्रांसमिशन लाइनें जोड़ी हैं।[171]

तालिका 41: 2017-18 के बीच ट्रांसमिशन लाइन्स में वृद्धि (सर्किट किमी में)

वित्तीय वर्ष	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23 (अक्टूबर 22 तक)
ट्रांसमिशन लाइन में वृद्धि	23,119	22,437	11,664	16,750	14,895	7,042

स्रोत: ऊर्जा मंत्रालय; पीआरएस।

- शहरी क्षेत्रों में सब-ट्रांसमिशन और वितरण नेटवर्क को मजबूत करने के लिए दिसंबर 2014 में एकीकृत बिजली विकास योजना शुरू की गई थी। योजना के प्रमुख घटकों में निम्नलिखित शामिल हैं: (i) सब-ट्रांसमिशन और वितरण नेटवर्क को मजबूत करना, (ii) मीटरिंग, और (iii) सोलर पैनल का प्रावधान। योजना के लिए अनुमानित परिव्यय 32,612 करोड़ रुपए था।[172] यह योजना 31 मार्च, 2022 को बंद हो गई। इस दौरान 28,886 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई।[173]

तालिका 42: आईपीडीएस 2014-2022 के तहत मुख्य उपलब्धियां

मद (इकाई)	लक्ष्य	उपलब्धि
नए पावर सब स्टेशन (संख्या)	999	994
हाई टेंशन लाइन्स (सर्किट किमी)	24,262	23,539
लो टेंशन लाइन्स (सर्किट किमी)	10,769	10,409
एबी केबल (सर्किट किमी)	65,029	64,364
यूजी केबल (सर्किट किमी)	21,551	21,336
रूफटॉप सोलर पैनल (kWp)	46,544	46,107

स्रोत: पीआईबी, ऊर्जा मंत्रालय; पीआरएस।

नीतिगत घोषणा: *भारत में इंटरनेट कनेक्टिविटी की लागत और स्मार्टफोन की कीमत आज दुनिया में सबसे सस्ती है।*

- **इंटरनेट कनेक्टिविटी**: ट्राई की एक रिपोर्ट के अनुसार, 30 जून, 2022 को भारत में 83.7 करोड़ इंटरनेट सबस्क्राइबर थे। यह प्रति 100 व्यक्तियों पर 61 सबस्क्राइबर के बराबर है।[174]
- **इंटरनेट की लागत**: तालिका 44 चुनिंदा देशों में इंटरनेट की लागत दर्शाती है। 2021 तक भारत में मोबाइल ब्रॉडबैंड डेटा की कीमत लगभग 0.9 USD प्रति जीबी (2 जीबी डेटा बास्केट के लिए) है।[175]
- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने 2020 में मोबाइल फोन सहित बड़े पैमाने पर इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्यूफैक्चरिंग के लिए पीएलआई योजना शुरू की। यह योजना 2025-26 तक चालू रहने की उम्मीद है। भाग लेने वाली कंपनियां भारत में निर्मित उत्पादों की वृद्धिशील बिक्री से जुड़े प्रोत्साहनों का लाभ उठाने के लिए इस अवधि के किन्हीं चार वर्षों (लगातार) को चुन सकती हैं। योजना के तहत कुल प्रोत्साहन परिव्यय 38,601 करोड़ रुपए अनुमानित है।[176]

तालिका 43: प्रत्येक वर्ष जून में भारत में इंटरनेट सबस्क्राइबर्स (करोड़ में)

वित्तीय वर्ष	2018	2019	2020	2021	2022
सबस्क्राइबर्स की संख्या	51.2	66.5	74.9	83.4	83.7

स्रोत: भारतीय दूरसंचार सेवा प्रदर्शन संकेतक, ट्राई; पीआरएस।

तालिका 44: डेटा ओनली मोबाइल ब्रॉडबैंड बास्केट (2 जीबी), 2021 की लागत

देश	मूल्य (USD)
भारत	1.75
ब्राजील	3.4
चीन	4.65
रूस	6.87
दक्षिण अफ्रीका	11.25
जर्मनी	12.05
यूके	13.98
कनाडा	24.41
यूएसए	37.8

स्रोत: आईसीटी प्राइस बास्केट डैशबोर्ड, 2021, अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार संघ, जिसे 13 जनवरी, 2022 को एक्सेस किया गया; पीआरएस।

- इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अनुसार, (2020) भारत विश्व में मात्रा के लिहाज से मोबाइल हैंडसेट का दूसरा सबसे बड़ा मैन्यूफैक्चरर है। जुलाई 2022 तक भारत में सैल्यूलर मोबाइल फोन्स/कंपोनेंट्स की मैन्यूफैक्चरिंग करने वाली 200 से अधिक यूनिट्स हैं।[177]

नीतिगत घोषणा: *भारत 5जी मोबाइल कनेक्टिविटी पर भी काफी तेजी से काम कर रहा है जिससे नए अवसरों के द्वार खुलेंगे।*

- संचार मंत्रालय के अनुसार, दूरसंचार सेवा प्रदाताओं ने अक्टूबर 2022 से 5जी सेवाएं प्रदान करना शुरू कर दिया है और 26 नवंबर, 2022 तक 14 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों के 50 शहरों में 5जी सेवाएं शुरू हो गई हैं।[178]
- 5G मोबाइल नेटवर्क से दूरसंचार सेवाओं की गुणवत्ता बढ़ने और दूरसंचार संचालन की निरंतरता सुनिश्चित होने की उम्मीद है। 5G से निम्नलिखित प्राप्त होने की उम्मीद है: (i) उन्नत मोबाइल ब्रॉडबैंड जिससे थ्रुपुट तेज होगा, डाउनलोड स्पीड भी तेज होगी, आदि, (ii) वह अति-विश्वसनीय होगा और लेटेंसी कम्यूनिकेशन कम होंगे,

जिससे नियर रियल टाइम रिस्पांस की स्थिति पैदा होगी और यह औद्योगिक एप्लिकेशंस में उपयोगी है, और (iii) बड़े पैमाने पर मशीन टाइप कम्यूनिकेशंस संचार, जो इंटरनेट ऑफ थिंग्स एप्लिकेशंस को समझने में मदद करेंगे।[179]

नीतिगत घोषणा: *सरकार बुनियादी सुविधाओं का विकास करके पूर्वोत्तर के सभी राज्यों के सतत विकास के लिए प्रतिबद्ध है और हर स्तर पर आर्थिक अवसरों को विकसित किया जा रहा है। पूर्वोत्तर राज्यों की सभी राजधानियों को अब रेलवे के नक्शे पर लाया जा रहा है।*

- दिसंबर, 2022 तक पूर्वोत्तर क्षेत्र के आठ राज्यों में से तीन राज्यों की राजधानियों को रेलवे के माध्यम से जोड़ा गया था।[180] ये अरुणाचल प्रदेश (ईटानगर), त्रिपुरा (अगरतला) और असम (गुवाहाटी) हैं। 7 दिसंबर, 2022 तक व्यापक रेलवे नेटवर्क के भीतर पांच शेष राजधानियों को एकीकृत करने के लिए पांच नई रेल लाइन परियोजनाएं चल रही थीं। इनमें मेघालय (शिलांग), मणिपुर (इम्फाल), नागालैंड (कोहिमा), मिजोरम (आइजोल) और सिक्किम (गंगटोक) शामिल हैं।
- अक्टूबर 2022 में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए प्रधानमंत्री विकास पहल (पीएमडिवाइन) योजना को मंजूरी दी।[181] इस योजना की घोषणा 2022-23 के केंद्रीय बजट में की गई थी। योजना के उद्देश्यों में निम्नलिखित शामिल हैं: (i) बुनियादी ढांचागत परियोजनाओं का वित्तपोषण, (ii) पूर्वोत्तर की जरूरतों के आधार पर सामाजिक विकास परियोजनाओं को सहयोग देना, और (iii) युवाओं और महिलाओं के लिए आजीविका संबंधी गतिविधियों का सृजन करना। पीएम-डिवाइन केंद्रीय क्षेत्र की योजना है और 2022-23 से 2025-26 की अवधि के लिए इसका परिव्यय 6,600 करोड़ रुपए होगा। इसे पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय द्वारा उत्तर पूर्वी परिषद या केंद्रीय मंत्रालयों/एजेंसियों के माध्यम से लागू किया जाएगा।

पर्यावरण एवं ऊर्जा

नीतिगत घोषणा: *COP26 शिखर सम्मेलन में सरकार ने घोषणा की कि 2030 तक भारत अपने कार्बन उत्सर्जन में एक बिलियन टन की कमी करेगा। भारत 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन अर्थव्यवस्था बनने के लक्ष्य के लिए भी प्रतिबद्ध है।*

- नवंबर 2021 में भारत ने कॉन्फ्रेंस ऑफ द पार्टीज़ (COP26) में जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने के लिए कुछ लक्ष्यों की घोषणा की। इन लक्ष्यों में 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन प्राप्त करना, अब (2022) से 2030 तक कुल अनुमानित कार्बन उत्सर्जन को एक बिलियन टन कम करना और 2030 तक ऊर्जा की 50% जरूरत को अक्षय ऊर्जा स्रोतों से पूरा करना शामिल है।[182]
- COP26 के बाद भारत ने अगस्त 2022 में अपने राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान (एनडीसी) को अपडेट किया।[183] भारत के एनडीसी में परिवर्तन हैं:

तालिका 45: 2016 में भारत में ऊर्जा क्षेत्र का कुल उत्सर्जन (मिलियन टन CO_2 समतुल्य में)

क्षेत्र	राशि	% हिस्सा
ऊर्जा	2,129	75%
इसमें:		
ऊर्जा उद्योग	1,207	43%
मैन्यूफैक्चरिंग उद्योग और निर्माण	398	14%
परिवहन	274	10%
कृषि	408	14%
औद्योगिक प्रक्रियाएं और उत्पाद उपयोग	226	8%
कचरा	75	3%
कुल	2,839	100%
भू उपयोग, भू उपयोग में परिवर्तन और वानिकी	-308	
शुद्ध कुल	**2,531**	

स्रोत: तालिका 2.35, भारत का कुल उत्सर्जन 2011-2016, जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन 2021 की तीसरी द्विवार्षिक अपडेट रिपोर्ट, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय; पीआरएस।

(i) **जीडीपी की उत्सर्जन गहनता**: 2015 में प्रस्तुत एनडीसी ने 2005 के स्तर की तुलना में 2030 तक सकल घरेलू उत्पाद की उत्सर्जन तीव्रता को 33% से 35% तक कम करने का प्रावधान किया। संशोधित लक्ष्य के तहत 2005 के स्तर की तुलना में 2030 तक तीव्रता को 45% तक कम करने का प्रयास किया जाएगा।[183] भारत की उत्सर्जन तीव्रता 2005 और 2016 के बीच 24% कम हो गई।[184]

(ii) **नॉन-फॉसिल स्रोतों से ऊर्जा**: 2015 का लक्ष्य 2030 तक नॉन-फॉसिल स्रोतों (पन, सौर, पवन, जैव ऊर्जा और परमाणु) से कुल विद्युत ऊर्जा स्थापित क्षमता को 40% तक बढ़ाना था। दिसंबर 2022 तक भारत की नॉन-फॉसिल स्रोतों से बिजली की स्थापित क्षमता 43% है।[185] अपडेटेड एनडीसी इस लक्ष्य को 50% तक बढ़ाता है।[183]

तालिका 46: 31 दिसंबर, 2022 तक स्थापित ऊर्जा क्षमता (MW में)

स्रोत	फॉसिल फ्यूल	सौर	हाइड्रो	पवन	बायो पावर	परमाणु	लघु जल	कुल
स्थापित क्षमता	2,35,809	63,302	46,850	41,930	10,732	6,780	4,936	4,10,339
कुल का %	57.5%	15.4%	11.4%	10.2%	2.6%	1.7%	1.2%	-

नोट: फॉसिल फ्यूल में कोयला, लिग्नाइट, गैस और डीजल शामिल हैं। स्रोत: केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण; पीआरएस।

- केंद्रीय बिजली प्राधिकरण ने सितंबर 2022 में एक ड्राफ्ट राष्ट्रीय बिजली योजना जारी की जिसमें अनुमान लगाया गया है कि 2026-27 के लिए पीक मांग और ऊर्जा की जरूरत को पूरा करने के लिए 2022-27 के दौरान आवश्यक क्षमता वृद्धि 2,28,541 MW है।[186] यह अनुमान 2029-30 तक नॉन-फॉसिल ईंधन स्थापित क्षमता को 500 GW करने के लक्ष्य के अनुरूप है। अनुमान है कि इस अवधि के दौरान 14.3 लाख करोड़ रुपए की राशि की जरूरत पड़ेगी।[186]
- नवंबर 2022 में COP27 में भारत ने अपनी दीर्घकालिक निम्न उत्सर्जन विकास रणनीति प्रस्तुत की।[187] रणनीति के मुख्य क्षेत्रों में उचित प्रकार से ऊर्जा संक्रमण करना, इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) और

सार्वजनिक परिवहन का उपयोग बढ़ाना, 2025 तक पेट्रोल में 20% इथेनॉल मिश्रण पर ध्यान केंद्रित करना और जलवायु अनुकूल शहरी विकास शामिल हैं।[187]

- संसद में दिसंबर 2022 में बिजली संरक्षण (संशोधन) बिल, 2022 को पारित किया गया।[188] यह बिल केंद्र सरकार को अधिकार देता है कि वह कार्बन क्रेडिट ट्रेडिंग योजना को अधिसूचित करे। वह सरकार को इस बात की भी अनुमति देता है कि वह कुछ निर्दिष्ट उपभोक्ताओं के लिए नॉन-फॉसिल ईंधन स्रोतों से न्यूनतम स्तर की ऊर्जा की खपत को अनिवार्य करे।[189] बिजली (संशोधन) बिल, 2022 को संसद में अगस्त 2022 में पेश किया गया जोकि राज्य बिजली रेगुलेटरी आयोगों को अधिकार देता है कि वे बिजली वितरण कंपनियों के लिए अक्षय खरीद बाध्यताओं को निर्दिष्ट करें।[190]
- 2015-16 में शुरू की गई हरित ऊर्जा गलियारा परियोजना का उद्देश्य अक्षय और पारंपरिक स्रोतों से उत्पन्न बिजली को एकीकृत करना है। इसका लक्ष्य 22,689 मेगावाट की कुल क्षमता के साथ लगभग 9,767 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइनों और सबस्टेशनों को स्थापित करना है। इसे अक्षय ऊर्जा से समृद्ध आठ राज्यों में लागू किया जा रहा है, जैसे आंध्र प्रदेश, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और तमिलनाडु। नवंबर 2022 तक 8,697 सर्किट किलोमीटर ट्रांसमिशन लाइनों और 19,858 MW की कुल क्षमता वाले सबस्टेशनों का निर्माण किया जा चुका है।[191]
- अक्टूबर 2022 तक भारत में 17 लाख ईवी बेचे जा चुके हैं। यह सभी पंजीकृत वाहनों का 0.6% है।[192] फास्टर अडॉप्शन एंड मैन्यूफैक्चरिंग ऑफ इलेक्ट्रिक व्हीकल्स इन इंडिया (फेम इंडिया) योजना 2015 में शुरू की गई थी। योजना का चरण-I अप्रैल 2015 और मार्च 2019 के बीच लागू किया गया था जिसके तहत ईवी खरीदारों को डिमांड इन्सेंटिव दिया गया था। ईवी के खरीद मूल्य को कम करके, यह इन्सेंटिव दिया जाता है।[193] चरण-II को 10,000 करोड़ रुपए के कुल बजटीय सहयोग के साथ पांच वर्ष के लिए लागू किया जा रहा है। यह चरण सार्वजनिक परिवहन के बिजलीकरण, ईवी खरीदारों को डिमांड इन्सेंटिव देना और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण पर केंद्रित है।[194] 7 दिसंबर, 2022 तक योजना के माध्यम से 7.46 लाख ईवी को सहयोग दिया गया है और लगभग 3,200 करोड़ रुपए के डिमांड इन्सेंटिव दिए गए हैं। फेम फेज-2 के तहत चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए 1,000 करोड़ रुपए आबंटित किए गए हैं। दिसंबर 2022 तक 2,877 ईवी चार्जिंग स्टेशनों को मंजूरी दी गई है।[194]
- इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल कार्यक्रम सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह को छोड़कर) में लागू किया गया है जिसके तहत तेल विपणन कंपनियां इथेनॉल के साथ मिश्रित पेट्रोल बेचती हैं। कार्यक्रम के तहत पहला लक्ष्य 2021-22 तक 10% इथेनॉल सम्मिश्रण तक पहुंचना था।[195] जून 2022 में पेट्रोल में 10% इथेनॉल सम्मिश्रण तय समय से पांच महीने पहले हासिल किया गया था। इससे 27 लाख मीट्रिक टन ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आई है।[196] इसके बाद इस लक्ष्य को 2025-26 तक बढ़ाकर 20% इथेनॉल सम्मिश्रण कर दिया गया।[197]

विज्ञान एवं तकनीक

नीतिगत घोषणा: *अंतरिक्ष क्षेत्र को अब निजी क्षेत्र के लिए खोल दिया गया है जो अनंत संभावनाओं का क्षितिज प्रदान करता है।*

- सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी को व्यापक बनाने के लिए कदम उठाए हैं जिनमें उन्हें एंड-टू-एंड स्पेस एक्टिविटी की अनुमति देना शामिल है। इसे आसान बनाने के लिए, भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (IN-SPACe) और न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड बनाया गया है।
- **IN-SPACe**: IN-SPACe, अंतरिक्ष विभाग (डीओएस) में जून 2020 में घोषित एक स्वतंत्र नोडल (और स्वायत्त) एजेंसी है।[198] यह अंतरिक्ष से संबंधित गतिविधियों को बढ़ावा देने, उनकी अनुमति देने और उन्हें सुपरवाइज करने का काम करती है, जैसे लॉन्च वाहन का निर्माण, डीओएस के तहत स्पेस इंफ्रास्ट्रक्चर को साझा करना और नए केंद्रों की स्थापना।[198] 15 दिसंबर, 2022 तक 111 अंतरिक्ष-स्टार्टअप्स को IN-SPACe डिजिटल प्लेटफॉर्म पर पंजीकृत किया गया है।[199]
- **एनएसआईएल**: एनएसआईएल अंतरिक्ष विभाग के तहत भारत सरकार की पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी (मार्च 2019 में शामिल) है। एनएसआईएल के व्यावसायिक क्षेत्र हैं: (i) विश्वव्यापी ग्राहकों को लॉन्च सेवाएं प्रदान करना, (ii) भारतीय उद्योगों के माध्यम से लॉन्च वाहनों का निर्माण, (iii) उपग्रह-आधारित सेवाएं (जैसे, मिशन सपोर्ट सेवाएं, रिमोट-सेंसिंग डेटा), (iv) उपग्रहों को विकसित करना और ग्राउंड सेगमेंट की सुविधाएं और (v) भारतीय उद्योगों को प्रौद्योगिकी हस्तांतरण।[200] वित्तीय वर्ष 2020-21 में एनएसआईएल ने PSLV-C49 और PSLV-C51 पर 24 ग्राहक उपग्रह लॉन्च किए। इसमें ब्राजील का अमेजोनिया-1 सैटेलाइट भी शामिल है।[201] 2021 में 4,698 करोड़ रुपए की इक्विटी जारी करने की एवज में 10 इन-ऑर्बिट ऑपरेशनल कम्यूनिकेशन सैटेलाइट्स को भारत सरकार से एनएसआईएल को ट्रांसफर किया गया था।[202]

नीतिगत घोषणा: *सरकार ने सरलीकृत ड्रोन नियम 2021 को अधिसूचित किया है और देश में ड्रोन और ड्रोन-पुर्ज़ों के निर्माण के लिए एक पीएलआई योजना भी शुरू की है।*

- **ड्रोन नियम**: मार्च 2021 में नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने मानव रहित हवाई प्रणाली नियम, 2021 प्रकाशित किया। इन नियमों के प्रावधानों को ड्रोन नियम, 2021 के माध्यम से उदार बनाया गया था जिसे अगस्त 2021 में अधिसूचित किया गया था। यूनीक ऑथराइजेशन नंबर, मैन्यूफैक्चरिंग और उड़ान योग्यता के सर्टिफिकेट या ड्रोन पोर्ट ऑथराइजेशन जैसी मंजूरियों को समाप्त कर दिया गया। माइक्रो ड्रोन (गैर-वाणिज्यिक उपयोग के लिए) और नैनो ड्रोन के लिए रिमोट पायलट लाइसेंस की आवश्यकता को भी हटा दिया गया।[203,204] इन नियमों में फरवरी 2022 में संशोधन किया गया था। संशोधित नियमों ने ड्रोन पायलट लाइसेंस की आवश्यकता को समाप्त कर दिया।[205] अन्य नियमों में ड्रोन एयरस्पेस मैप (सितंबर 2021) और यूएएस ट्रैफिक मैनेजमेंट पॉलिसी फ्रेमवर्क (अक्टूबर 2021) शामिल हैं।[205]
- **पीएलआई योजना**: नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने 20 सितंबर, 2021 को ड्रोन और ड्रोन घटकों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना को अधिसूचित किया। ड्रोन मैन्यूफैक्चरर्स को तीन वित्तीय वर्षों में 120 करोड़ रुपए का प्रोत्साहन प्रदान किया जा रहा है। सितंबर 2022 तक 23 ड्रोन और ड्रोन घटक मैन्यूफैक्चरर्स को योजना के लाभार्थियों के रूप में अस्थायी रूप से अधिसूचित किया गया है।[206]

रक्षा एवं गृह मामले

नीतिगत घोषणा: *सरकार रक्षा क्षेत्र में निजी क्षेत्र और स्टार्ट-अप को तेजी से बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। सशस्त्र बलों ने 209 सैन्य उपकरणों की सूची जारी की है जिन्हें विदेशों से नहीं खरीदा जाएगा। 2,800 रक्षा उपकरणों की सूची जारी की गई है जिनका निर्माण घरेलू स्तर पर किया जाएगा।*

- अगस्त 2020 और अप्रैल 2022 के बीच केंद्र सरकार ने 310 रक्षा उपकरणों वाली तीन पॉजिटिव स्वदेशी सूचियों को अधिसूचित किया है।[207] इन सूचियों के उपकरणों को सिर्फ कुछ निर्दिष्ट समय-सीमा समाप्त होने के बाद ही स्वदेशी स्रोतों से प्राप्त किया जाएगा।
- इन उत्पादों पर आयात प्रतिबंध की समय-सीमा 2020 से 2028 तक बढ़ाई गई है। इन उत्पादों को डिजाइनिंग और विकास के लिए घरेलू उद्योग को दिया गया है। इसके अलावा सब-सिस्टम्स/एसेंबलीज़/कंपोनेंट्स की तीन पॉजिटिव स्वदेशी सूचियों को भी अधिसूचित किया गया है।[208] इन तीन सूचियों में 1,238 आइटम हैं, जिनमें से 265 आइटम 27 जनवरी, 2023 तक स्वदेशी हो चुके हैं।[208]
- 2018-19 और 2021-22 के बीच विदेशी स्रोतों से रक्षा खरीद पर खर्च 46% से घटकर 36% हो गया है।[207] 2020-21 में 84,643 करोड़ रुपए की तुलना में 2021-22 में स्वदेशी रक्षा उत्पादन 94,846 करोड़ रुपए मूल्य का था।[209]
- रक्षा क्षेत्र पहले सार्वजनिक क्षेत्र के लिए ही सुरक्षित था। हालांकि मई 2001 में इसे भारतीय निजी क्षेत्र के लिए खोल दिया गया था।[210] घरेलू रक्षा उद्योग को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने कई पहलें की हैं, जिनमें शामिल हैं: (i) उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में दो रक्षा औद्योगिक कॉरिडोर स्थापित करना, (ii) उद्योग, स्टार्टअप और शिक्षा जगत के लिए रक्षा अनुसंधान और विकास को खोलना, (iii) रक्षा अनुसंधान एवं विकास बजट का 25% रक्षा प्रौद्योगिकी के विकास के लिए निर्धारित करना, और (iv) एमएसएमई सहित घरेलू उद्योग द्वारा रक्षा के स्वदेशीकरण की सुविधा के लिए SRIJAN पोर्टल को लॉन्च करना।[210]

नीतिगत घोषणा: *सरकार ने ऑर्डनेंस कारखानों को सात रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों में पुनर्गठित करने के लिए कदम उठाए हैं।*

- ऑर्डनांस फैक्ट्रियां रक्षा उपकरणों की निर्माण इकाइयां हैं। अक्टूबर 2021 में ऑर्डनांस फैक्ट्री बोर्ड से सात नए रक्षा पीएसयू बनाए गए।[210] इन संस्थाओं को सहयोग देने हेतु ओएफबी में लंबित मांगपत्रों (आदेशों) को अगले पांच वर्षों के लिए रक्षा पीएसयू के डीम्ड कॉन्ट्रैक्ट्स में बदल दिया गया जिसका कीमत 70,776 करोड़ रुपए है।[211] हर वर्ष रक्षा सेवाएं, इन रक्षा पीएसयूज़ के वार्षिक डिलिवरी प्लान की कीमत का 60% एडवांस में चुकाएंगी।

नीतिगत घोषणा: *भारत ने अगस्त 2021 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता की और सुरक्षा परिषद ने पहली बार समुद्री सुरक्षा के मुद्दे पर व्यापक बहस की।*

- भारतीय प्रधानमंत्री ने 9 अगस्त, 2021 को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की उच्च स्तरीय मुक्त वार्ता 'समुद्री सुरक्षा में वृद्धि; अंतरराष्ट्रीय सहयोग का एक मामला' को संबोधित किया।[212] इससे पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समुद्री सुरक्षा और समुद्री अपराध के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा एवं प्रस्तावों को पारित कर चुका है।[213]
- एंटी-मैरिटाइम पायरेसी बिल, 2019 को दिसंबर 2022 में पारित किया गया।[214] यह मैरीटाइम पायरेसी के निवारण तथा पायरेसी से संबंधित अपराधों के लिए व्यक्तियों के प्रॉसीक्यूशन का प्रावधान करता है। बिल भारतीय अधिकारियों को गहरे समुद्र में पायरेसी के खिलाफ कार्रवाई करने का अधिकार देता है। जून 1995 में मंजूर किए गए संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून समझौते के मद्देनजर यह बिल लाया गया है। विदेशी मामलों संबंधी स्टैंडिंग कमिटी (2021) ने इस बिल की समीक्षा की और अपनी रिपोर्ट (फरवरी 2021 में सौंपी गई) में कुछ संशोधनों का सुझाव दिया।[215] बिल को पारित करने के दौरान कमिटी के कुछ सुझावों में उसमें शामिल किया गया।

नीतिगत घोषणा: *जम्मू और कश्मीर के औद्योगिक विकास के लिए 28,000 करोड़ रुपए की लागत से एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना शुरू की गई थी।*

- फरवरी 2021 में केंद्र सरकार ने जम्मू एवं कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश के औद्योगिक विकास हेतु नई केंद्रीय योजना को अधिसूचित किया।[216] योजना के जरिए राज्य में पूंजी निवेश आकर्षित होने की उम्मीद है। योजना 2037 तक लागू रहेगी और इसका परिव्यय 28,400 करोड़ रुपए है।[217]
- योजना के तहत चार प्रकार के इन्सेंटिव्स हैं: (i) पूंजीगत ब्याज निवेश, (ii) पूंजीगत ब्याज अनुदान, (iii) वस्तु एवं सेवा कर से जुड़ा इन्सेंटिव, और (iv) कार्यशील पूंजी ब्याज अनुदान। अप्रैल 2022 तक जम्मू और कश्मीर सरकार को 51,000 करोड़ रुपए के निवेश के प्रस्ताव प्राप्त होने की सूचना मिली है।[216]

नीतिगत घोषणा: *देश में नक्सल प्रभावित जिलों की संख्या 126 से घटकर 70 रह गई है।*

- केंद्र सरकार ने वामपंथी अतिवाद (एलडब्ल्यूई) को समग्रता से संबोधित करने के लिए 2015 में एक राष्ट्रीय नीति और कार्य योजना को मंजूरी दी है।[218] नीति में सुरक्षा संबंधी उपायों, विकास संबंधी पहल और स्थानीय समुदायों के अधिकारों और हकदारियों को सुनिश्चित करने वाली रणनीति की परिकल्पना की गई है। वामपंथी अतिवाद से जुड़े हिंसा के मामले 2010 में 2,213 से 77% कम होकर 2021 में 509 हो गए हैं।[218]
- सरकार वामपंथी अतिवाद से प्रभावित राज्यों को सहयोग देती है, जैसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल बटालियन, हेलीकॉप्टर, प्रशिक्षण, राज्य पुलिस बलों के आधुनिकीकरण के लिए धन, हथियार और उपकरण, खुफिया जानकारी साझा करना, फोर्टिफाइड पुलिस स्टेशनों का निर्माण।[219]
- केंद्र सरकार वामपंथी अतिवाद प्रभावित राज्यों को धन उपलब्ध कराती है ताकि वे अपना क्षमता निर्माण कर सकें। इसके लिए कई योजनाएं हैं जैसे सुरक्षा संबंधित व्यय (एसआरई) योजना और विशेष बुनियादी ढांचा (एसआईएस) योजना।[219] एसआईएस को 2017 में अनुमोदित किया गया और मार्च 2022 तक विशेष बलों और विशेष खुफिया शाखाओं को मजबूत करने के लिए 371 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है।[219] इस योजना के तहत संवेदनशील वामपंथी अतिवाद प्रभावित क्षेत्रों में 620 करोड़ रुपए की लागत से 250 मजबूत पुलिस स्टेशनों को भी मंजूरी दी गई है।

तालिका 47: वामपंथी अतिवाद के कारण होने वाले मामले और मौतें

	मामले	मौत
2019	670	202
2020	665	183
2021	509	147
2022*	483	91

*आंकड़े 30 नवंबर, 2022 तक के हैं।
स्रोत: प्रेस सूचना ब्यूरो, गृह मामलों का मंत्रालय; पीआरएस।

- वामपंथी अतिवाद से संबंधित हिंसा का भौगोलिक प्रसार कम हुआ है।[219] हिंसा की सूचना देने वाले जिलों की संख्या 2010 में 96 थी जो 2021 में घटकर 46 हो गई है।[219]
- भौगोलिक विस्तार में गिरावट इस बात से भी प्रदर्शित होती है कि सुरक्षा संबंधी व्यय (एसआरई) योजना के तहत कवर किए गए जिलों की संख्या कम हुई है। एसआरई योजना के तहत 2014-15 से राज्यों को 2,259 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं।[219]

अस्वीकरण: प्रस्तुत रिपोर्ट आपके समक्ष सूचना प्रदान करने के लिए प्रस्तुत की गई है। पीआरएस लेजिसलेटिव रिसर्च (पीआरएस) के नाम उल्लेख के साथ इस रिपोर्ट का पूर्ण रूपेण या आंशिक रूप से गैर व्यावसायिक उद्देश्य के लिए पुनःप्रयोग या पुनर्वितरण किया जा सकता है। रिपोर्ट में प्रस्तुत विचार के लिए अंततः लेखक या लेखिका उत्तरदायी हैं। यद्यपि पीआरएस विश्वसनीय और व्यापक सूचना का प्रयोग करने का हर संभव प्रयास करता है किंतु पीआरएस दावा नहीं करता कि प्रस्तुत रिपोर्ट की सामग्री सही या पूर्ण है। पीआरएस एक स्वतंत्र, अलाभकारी समूह है। रिपोर्ट को इसे प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के उद्देश्यों अथवा विचारों से निरपेक्ष होकर तैयार किया गया है। यह सारांश मूल रूप से अंग्रेजी में तैयार किया गया था। हिंदी रूपांतरण में किसी भी प्रकार की अस्पष्टता की स्थिति में अंग्रेजी के मूल सारांश से इसकी पुष्टि की जा सकती है।

[1] Address by the President of India to the Joint Sitting of two houses of Parliament, Office of the President of India, January, 2021, https://presidentofindia.nic.in/writereaddata/Portal/Speech/Document/835/1_sp290121.pdf.
[2] Monthly Foreign Investment Inflows, Database on Indian Economy, RBI, https://dbie.rbi.org.in/DBIE/dbie.rbi?site=statistics.
[3] Foreign Exchange Reserves, Database on Indian Economy, RBI, https://dbie.rbi.org.in/DBIE/dbie.rbi?site=home.
[4] India's Foreign Trade (Monthly) – US Dollars, Database on Indian Economy, RBI, https://dbie.rbi.org.in/DBIE/dbie.rbi?site=statistics#!5_4.
[5] Key Components of India's Balance of Payments, Database on Indian Economy, RBI, Accessed on January 27, 2022, https://dbie.rbi.org.in/DBIE/dbie.rbi?site=statistics.

[6] Balance of Payments – Indicators, Database on Indian Economy, RBI, Accessed on January 27, 2023, https://dbie.rbi.org.in/DBIE/dbie.rbi?site=statistics.

[7] GST Revenue, Goods and Services Tax Council, https://gstcouncil.gov.in/gst-revenue.

[8] "GST Revenue Collection for April 2022 highest ever at Rs. 1.68 lakh crore", Press Information Bureau, Ministry of Finance, May 1, 2022, https://gstcouncil.gov.in/sites/default/files/gst-statistics/GST_Revenue_collection_april2022.pdf.

[9] Finance Commission in Covid Times Report for 2021-26, XV Finance Commission, October 2020, https://fincomindia.nic.in/ShowContentOne.aspx?id=9&Section=1.

[10] Pradhan Mantri Jan-Dhan Yojana Progress Report, last accessed on January 19, 2023, https://pmjdy.gov.in/account.

[11] Direct Benefit Transfer Dashboard, Last accessed on January 19, 2023, https://dbtbharat.gov.in/.

[12] Direct Benefit Transfer Dashboard, Last accessed on January 19, 2023, https://dbtbharat.gov.in/.

[13] Payment System Indicators, RBI, https://rbi.org.in/Scripts/PSIUserView.aspx .

[14] Unstarred question no. 742, Lok Sabha, Ministry of Finance, December 12, 2022, https://pqals.nic.in/annex/1710/AU742.pdf.

[15] Unstarred Question no., 734, Lok Sabha, Ministry of Finance, December 12, 2022, https://pqals.nic.in/annex/1710/AU734.pdf.

[16] Demand no. 32, Notes on Demand for Grants 2022-23, Ministry of Finance, https://www.indiabudget.gov.in/doc/eb/sbe32.pdf.

[17] Starred Question No. 182, Rajya Sabha, Ministry of Rural Development, August 3, 2022, https://pqars.nic.in/annex/257/AS182.pdf.

[18] PM Kisan Samman Nidhi, Department of Agriculture and Farmers Welfare, as accessed on January 12, 2023, https://pmkisan.gov.in/.

[19] Annexure I, Report no. 46, Standing Committee on Agriculture, Animal Husbandry and Food Processing, 'Action Taken Report on the Demand for Grants 2022-23', Lok Sabha, December 20, 2022, https://loksabhadocs.nic.in/lsscommittee/Agriculture,%20Animal%20Husbandry%20and%20Food%20Processing/17_Agriculture_Animal_Husbandry_and_Food_Processing_46.pdf.

[20] Report no. 37, Standing Committee on Agriculture, Animal Husbandry, and Food Processing, 'Demands for Grants 2022-23 - Demand No. 1', Lok Sabha, March 24, 2022, https://loksabhadocs.nic.in/lsscommittee/Agriculture,%20Animal%20Husbandry%20and%20Food%20Processing/17_Agriculture_Animal_Husbandry_and_Food_Processing_37.pdf.

[21] Revamped Operational Guidelines, Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana, Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, https://pmfby.gov.in/pdf/Revamped%20Operational%20Guidelines_17th%20August%202020.pdf.

[22] Dashboard, Pradhan Mantri Fasal Bima Yojana, Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, last accessed on January 23, 2023, https://pmfby.gov.in/adminStatistics/dashboard.

23 Demand no. 1, Ministry of Agriculture and Farmers Welfare, https://www.indiabudget.gov.in/doc/eb/sbe1.pdf.

[24] National Agriculture Infra Financing Facility, Department of Agriculture & Farmers Welfare, https://agriinfra.dac.gov.in/.

[25] "Cabinet approves Central Sector Scheme of financing facility under Agriculture Infrastructure Fund", Press Information Bureau, Cabinet, July 8, 2020, https://pib.gov.in/PressReleseDetail.aspx?PRID=1637221.

[26] "Cabinet approves modifications in Central Sector Scheme of financing facility under Agriculture Infrastructure Fund", Press Information Bureau, Cabinet, July 8, 2020, https://pib.gov.in/PressReleseDetail.aspx?PRID=1733837.

[27] Dashboard, National Agriculture Infra Financing Facility, Agricultural and Farmers Welfare Department, as accessed on January 24, 2023, https://agriinfra.dac.gov.in/Home/Dashboard.

[28] "Cabinet approves implementation of National Mission on Edible Oils – Oil Palm", Press Information Bureau, Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, August 18, 2021, https://pib.gov.in/PressReleseDetail.aspx?PRID=1746943.

[29] Operational Guidelines, National Mission on Edible Oils – Oil Palm, https://nmeo.dac.gov.in/nmeodoc/NMEO-OPGUIEDELINES.pdf

[30] "Cabinet approves implementation of National Mission on Edible Oils – Oil Palm", Press Information Bureau, Cabinet, August 18, 2021, https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1746942.

[31] Unstarred Question No. 1994, Rajya Sabha, Ministry of Consumer Affairs, Food and Public Distribution, December 23, 2022, https://pqars.nic.in/annex/258/AU1994.pdf.

[32] Coverage and Entitlement under NFSA, National Food Security Portal, https://nfsa.gov.in/portal/Coverage_Entitlements_NFSA_AA.

[33] "Centre extends Pradhan Mantri Garib Kalyan Ann Yojana (PMGKAY) for another three months (October 2022-December 2022), Press Information Bureau, Cabinet, September 28, 2022, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1862944.

[34] Operational Guidelines of Per Drop More Crop Component of Pradhan Mantri Krishi Sinchaee Yojana, Ministry of Agriculture & Farmers Welfare, 2021, https://pmksy.gov.in/microirrigation/Archive/Revised%20PDMC%20GL%202021.pdf.

[35] Unstarred question No. 5443, answered on April 5, 2022, Lok Sabha, https://pqals.nic.in/annex/178/AU5443.pdf.

[36] Unstarred Question No. 2275, Lok Sabha, Ministry of Agriculture and Farmers' Welfare, December 20, 2022, https://pqals.nic.in/annex/1710/AU2275.pdf.

[37] Atal Bhujal Yojana Program Guidelines, Ministry of Jal Shakti, https://ataljal.mowr.gov.in/Ataljalimages/Atal_Bhujal_Yojana_Program_Guidelines_Ver_1.pdf.

[38] Financial Progress, Atal Bhujal Yojana Dashboard, as accessed on January 27, 2023, https://ataljal.mowr.gov.in/Dashboard/Dashboard.

[39] India Export of Principal Commodities (All Agri), APEDA agriXchange, last accessed on January 11, https://agriexchange.apeda.gov.in/indexp/18headgenReportmonth_combine.aspx.

[40] WTO Agreement on Agriculture, Ministry of Commerce and Industry, https://commerce.gov.in/international-trade/india-and-world-trade-organization-wto/trade-in-goods-agriculture/wto-agreement-on-agriculture/.

[41] "No impact of WTO Panel's findings on sugar on any of India's existing and ongoing policy measures in sugar sector", Press Information Bureau, Ministry of Commerce & Industry, December 14, 2021, https://www.pib.gov.in/PressReleseDetail.aspx?PRID=1781514.

[42] Unstarred Question No. 2591, Rajya Sabha, Ministry of Commerce & Industry, answered on March 25, 2022, https://pqars.nic.in/annex/256/AU2591.pdf.

[43] Area and Production of Horticulture Crop Estimates, Department of Agriculture and Farmers Welfare, https://agricoop.nic.in/en/StatHortEst#gsc.tab=0.

[44] Unstarred question no. 1235, answered on December 14, 2022, Lok Sabha, https://pqals.nic.in/annex/1710/AU1235.pdf.

[45] Unstarred question no. 980, answered on December 13, 2022, Lok Sabha, https://pqals.nic.in/annex/1710/AU980.pdf.

[46] Unstarred question no. 2355, answered on December 17, 2021, Rajya Sabha, https://pqars.nic.in/annex/255/AU2355.pdf.

[47] Unstarred Question No. 2176, Rajya Sabha, Department of Health and Family Welfare, Ministry of Health and Family Welfare, March 22, 2022, https://pqars.nic.in/annex/256/AU2176.pdf

[48] Report No. 140, 'Action Taken By The Government On The Recommendations/ Observations Contained In The 134th Report On Demands For Grants 2022-23 (Demand No. 46) Of The Department Of Health & Family Welfare', Rajya Sabha, December 8, 2022, https://rajyasabha.nic.in/rsnew/Committee_site/Committee_File/ReportFile/14/160/140_2022_12_12.pdf.

[49] Unstarred Question No. 1073, Rajya Sabha, Department of Health and Family Welfare, Ministry of Health and Family Welfare, July 26, 2022, https://pqars.nic.in/annex/257/AU1073.pdf.

[50] Rural Health Statistics 2018, https://nrhm-mis.nic.in/Pages/RHS2018.aspx?RootFolder=%2FRURAL%20HEALTH%20STATISTICS%2F%28A%29%20RHS%20-%202018&FolderCTID=0x01200057278FD1EC909F429B03E86C7A7C3F31&View=%7B09DDD7F4-80D0-42E3-8969-2307C0D97DDB%7D.

[51] Budget Speech, Union Budget 2017-18, https://www.indiabudget.gov.in/budget2017-2018/ub2017-18/bs/bs.pdf.

[52] "Ayushman Bharat - Health and Wellness Centres Report Card", Ayushman Bharat - Health and Wellness Centre, Ministry of Health and Family Welfare, https://ab-hwc.nhp.gov.in/#about (accessed January 11, 2023)

[53] Report No. 140, 'Action Taken By The Government On The Recommendations/ Observations Contained In The 135th Report On Demands For Grants 2022-23 (Demand No. 47) Of The Department Of Health Research Ministry of Health & Family Welfare', Rajya Sabha, December 8, 2022, https://rajyasabha.nic.in/rsnew/Committee_site/Committee_File/ReportFile/14/160/141_2022_12_12.pdf.

[54] Report No. 134, 'Demands For Grants 2022-23 (Demand No. 46)', Standing Committee on Health and Family Welfare, Rajya Sabha, March 24, 2022, https://rajyasabha.nic.in/rsnew/Committee_site/Committee_File/ReportFile/14/160/134_2022_8_15.pdf.

[55] "ABDM Insight", Ayushman Bharat Digital Mission, National Health Authority, Ministry of Health and Family Welfare, https://dashboard.abdm.gov.in/abdm/ (accessed January 11, 2023)

[56] "Cabinet approves implementation of Ayushman Bharat Digital Mission with a budget of Rs.1,600 crore for five years", Press Information Bureau, February 26, 2022, Ministry of Health and Family Welfare, https://abdm.gov.in:8081/uploads/1a47e9677a5a335f10617c56ccfc5f61_93e516ac6c.pdf.

[57] "ABDM Insight", Ayushman Bharat Digital Mission, National Health Authority, Ministry of Health and Family Welfare, https://dashboard.abdm.gov.in/abdm/ (accessed January 11, 2023)

[58] "Pradhan Mantri Bhartiya Janaushadhi Pariyojana' (PMBJP)", Department of Pharmaceuticals Ministry of Chemcials and Fertilisers, https://pharmaceuticals.gov.in/sites/default/files/Website%20updation%202022%20PMBJP-1.pdf

[59] Unstarred Question No. 689, Lok Sabha, Ministry of Chemicals and Fertilizers, December 9, 2022, https://pqals.nic.in/annex/1710/AU689.pdf.

[60] "Cumulative Coverage Report of COVID-19 Vaccination", Ministry of Health and Family Welfare, January 11, 2023, https://www.mohfw.gov.in/pdf/CummulativeCovidVaccinationReport11Jan2023.pdf.

[61] Cowin Dashboard, Ministry of Health and Family Welfare, as accessed on January 24, 2023, https://dashboard.cowin.gov.in/.

[62] Report no. 137, Standing Committee on Health and Family Welfare: "Vaccine Development, Distribution Management and Mitigation of Pandemic Covid-19", Rajya Sabha, December 8, 2022,

https://rajyasabha.nic.in/rsnew/Committee_site/Committee_File/ReportFile/14/160/137_2022_12_12.pdf.

[63] 'Two months long "Har Ghar Dastak 2.0" campaign commences today to expedite Covid-19 Vaccination Coverage and cover all eligible beneficiaries through door-to-door campaigns', Press Information Bureau, Ministry of Health Family Welfare, June 1, 2022, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1830032.

[64] Unstarred question no. 4875 to answered on April 1, 2022, Lok Sabha,

https://pqals.nic.in/annex/178/AU4875.pdf

[65] "Approved COVID-19 vaccines as on 04.10.2022", Central Drugs Standard Control Organization, October 4, 2022, https://cdsco.gov.in/opencms/opencms/system/modules/CDSCO.WEB/elements/download_file_division.jsp?num_id=OTA4MQ==

[66] Report No. 137, 'Vaccine Development, Distribution Management And Mitigation Of Pandemic Covid-19" Pertaining To Ministry Of Health & Family Welfare', Standing Committee on Health and Family Welfare, Rajya Sabha, December 8, 2022, https://rajyasabha.nic.in/rsnew/Committee_site/Committee_File/ReportFile/14/160/137_2022_12_12.pdf.

[67] 'Customised Crash Course for Covid-19 Frontline Workers', Press Information Bureau, Ministry of Skill Development and Entrepreneurship, July 23, 2021, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1738150.

[68] Unstarred question no. 531, Lok Sabha, Ministry of Education, December 14, 2022, https://pqars.nic.in/annex/258/AU835.pdf.

[69] Implementation Plan – Karnataka National Education Policy 2020, Task Force for Implementation of NEP in Karnataka, November 2020, https://kshec.karnataka.gov.in/storage/pdf-files/Summary_Karnataka%20NEP%20Implementation%20Plan_Final.pdf.

[70] Unstarred Question No. 2381, Lok Sabha, Ministry of Skill Development and Entrepreneurship, August 1, 2022, https://pqals.nic.in/annex/179/AU2381.pdf.

[71] "PMKVY Dashboard", Skill India Reporting Hub, https://reports.skillindia.gov.in/https://reports.skillindia.gov.in/ (accessed January 11, 2023)

[72] Report No. 36, 'Implementation of Pradhan Mantri Kaushal Vikas Yojana (PMKVY)', Lok Sabha, December 8, 2022, https://loksabhadocs.nic.in/lsscommittee/Labour,%20Textiles%20and%20Skill%20Development/17_Labour_Textiles_and_Skill_Development_36.pdf.

[73] Article 275(1), Constitution of India, https://legislative.gov.in/sites/default/files/COI_English.pdf.

[74] Starred question no. 82, Rajya Sabha, Ministry of Tribal Affairs, December 14, 2022, https://pqars.nic.in/annex/258/AS82.pdf.

[75] Unstarred question no. 461, Rajya Sabha, Ministry of Tribal Affairs, July 2, 2022, https://pqars.nic.in/annex/257/AU461.pdf.

[76] Khelo India – National Programme for Development of Sports, Ministry of Youth Affairs & Sports, April 22, 2016, https://yas.nic.in/sites/default/files/Khelo%20India%20Scheme%20Dated%2022.04.2016.pdf.

[77] Unstarred Question No. 2139, Lok Sabha, Ministry of Youth Affairs and Sports, December 20, 2022, https://pqals.nic.in/annex/1710/AU2139.pdf.

[78] Unstarred Question No. 317, Rajya Sabha, Ministry of Youth Affairs & Sports, December 8, 2022, https://pqars.nic.in/annex/258/AU317.pdf.

[79] The Mediation Bill, 2021, https://prsindia.org/files/bills_acts/bills_parliament/2021/Mediation%20Bill,%202021.pdf.

[80] Report No. 117: The Mediation Bill, 2021, Standing Committee on Personnel, Public Grievances, Law And Justice, July 13, 2022, https://prsindia.org/files/bills_acts/bills_parliament/2021/SC%20Report_Mediation%20bill.pdf.

[81] 'Tele-Law Programme', Press Information Bureau, Ministry of Law and Justice, June 23, 2022, https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specificdocs/documents/2022/jun/doc202262367301.pdf.

[82] Tele -law Dashboard, Ministry of Law and Justice, as accessed on January 27, 2023, https://plv.tele-law.in/DGQI/index.html.

[83] 'Tele Law Mobile App', Press Information Bureau, Ministry of Law and Justice, March 25, 2022, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1809617.

[84] Unstarred Question No. 3329, Lok Sabha, August 5, 2022, https://pqals.nic.in/annex/179/AU3329.pdf.

[85] Beti Bachao Beti Padhai, as accessed on January 22, 2023, https://wcd.nic.in/bbbp-schemes.

[86] 'Ministry of Women and Child Development issues Detailed Guidelines for 'Mission Shakti' aimed at Strengthening Interventions for Women Safety, Security and Empowerment, Press Information Bureau, Ministry of Women and Child Development, July 14, 2022, https://pibphoto.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1841498.

[87] Demand no. 101, Notes on Demand for Grants 2022-23, Ministry of Women and child Development, July 14, 2022, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1841498.

[88] ASER 2022 National Findings, Pratham Education Foundation, January 18, 2023, http://img.asercentre.org/docs/ASER%202022%20report%20pdfs/All%20India%20documents/aser2022nationalfindings.pdf.

[89] No. 62789, Parliament Bulletin Part II, January 24, 2023, https://rajyasabha.nic.in/Today/BulletinTwo/62789.

[90] 'Year End Review of The Ministry of Minority Affairs', Press Information Bureau, Ministry of Minority Affairs, December 16, 2022, https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1884091.

[91] Demand No. 70, Notes on Demand for Grants, Ministry of Minority Affairs, https://www.indiabudget.gov.in/doc/eb/sbe70.pdf.

[92] 'Scholarships for Minority Students', Press Information Bureau, Ministry of Minority Affairs, December 8, 2022, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1881893.

[93] 'Steps taken by Government for Gender Inclusion Fund', Press Information Bureau, Ministry of Education, December 1, 2021, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1776914.

[94] 'Participation of Women in Defence Sector', Press Information Bureau, Ministry of Defence, December 9, 2022, https://pib.gov.in/PressReleaseIframePage.aspx?PRID=1882084.

[95] Data on Police Organisation 2020, Bureau of Police Research, Ministry of Home Affairs, January 2020, https://bprd.nic.in/WriteReadData/userfiles/file/2021010112010116483640DOPO01012020.pdf.

[96] 'Status of Females in Armed Forces and Sainik Schools', Press Information Bureau, Ministry of Defence, March 28, 2022, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1810440.

[97] "About PMUY", Ministry of Petroleum and Natural Gas, as accessed on January 13, 2023, https://www.pmuy.gov.in/about.html.

[98] Pradhan Mantri Ujjwala Yojana 2.0, Ministry of Petroleum and Natural Gas, as accessed on January 13, 2023, https://www.pmuy.gov.in/index.aspx.

[99] Demand No, 76, Notes on Demand for Grants 2022-23, Ministry of Petroleum and Natural Gas, https://www.indiabudget.gov.in/doc/eb/sbe76.pdf.

[100] Unstarred question no. 930, Rajya Sabha, Ministry of Petroleum and Natural Gas, July 25, 2022, https://pqars.nic.in/annex/257/AU930.pdf.

[101] "Major Achievement and Initiatives since 2014", Department of Empowerment of Persons with Disabilities (Divyangjan), Ministry of Social Justice and Empowerment, Press Information Bureau, April 2022, https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specificdocs/documents/2022/apr/doc20224737501.pdf.

[102] Unstarred question no. 2702, Lok Sabha, Ministry of Housing and Urban Affairs, December 22, 2022, https://pqals.nic.in/annex/1710/AU2702.pdf.

[103] Unstarred question no. 2279, Lok Sabha, Ministry of Rural Development, December 20, 2022, https://pqals.nic.in/annex/1710/AU2279.pdf.

[104] Notes on Demands for Grants, 2022-2023, Demand No. 87, Department of Rural Development, Ministry of Rural Development, https://www.indiabudget.gov.in/doc/eb/sbe87.pdf.

[105] Pradhan Mantri Awaas Yojana-Gramin Dashboard, Ministry of Rural Development, as accessed on January 27, 2023, https://pmayg.nic.in/netiayHome/home.aspx.

[106] Report No. 4, Demands for Grants (2020-21), Department of Rural Development, Standing Committee on Rural Development, March 3, 2020, http://164.100.47.193/lsscommittee/Rural%20Development%20 and%20Panchayati%20Raj/17_Rural_Development_4.pdf.

[107] Report No. 1, Demands for Grants (2019-20), Ministry of Rural Development, Standing Committee on Rural Development, December 5, 2019, http://164.100.47.193/lsscommittee/Rural%20Development%20and%20Panchayati%20Raj/17_Rural_Development_1.pdf.

[108] Report No. 16, Pradhan Mantri Awaas Yojana – Gramin: PMAY-G, Standing Committee on Rural Development, August 2, 2021, http://164.100.47.193/lsscommittee/Rural%20Development%20and%20Panchayati%20Raj/17_Rural_Development_16.pdf.

[109] Report No. 23: Ministry of Rural Development, Department of Rural Development Demand for Grants (2022-23), Standing Committee on Rural Development, March 16, 2022, https://loksabhadocs.nic.in/lsscommittee/Rural%20Development%20and%20Panchayati%20Raj/17_Rural_Development_and_Panchayati_Raj_22.pdf.

[110] Jal Jeevan Mission, Department of Drinking Water and Sanitation, as accessed on January 11, 2023, https://jaljeevanmission.gov.in/.

[111] National Family Health Survey (NFHS-5) 2019-21 Volume I, International Institute for Population Sciences (IIPS) and ICF, March 2022, http://rchiips.org/nfhs/NFHS-5Reports/NFHS-5_INDIA_REPORT.pdf.

[112] Svamitva Scheme, Ministry of Panchayati Raj, as accessed on January 11, 2023, https://svamitva.nic.in/.

[113] Unstarred question no. 2708, Lok Sabha, Ministry of Panchayati Raj, August 2, 2022, https://pqals.nic.in/annex/179/AU2708.pdf.

[114] Unstarred Question No. 2123, Lok Sabha, Ministry of Rural Development, March 15, 2022, https://pqals.nic.in/annex/178/AU2123.pdf.

[115] Unstarred Question No. 1480, Lok Sabha, Ministry of Housing and Urban Affairs, December 15, 2022, https://pqals.nic.in/annex/1710/AU1480.pdf.

[116] Scheme Guidelines, PMSVANidhi, as accessed on January 24, 2023, https://pmsvanidhi.mohua.gov.in/Home/Schemes.

[117] PM SVANidhi Dashboard, Ministry of Housing and Urban Affairs, last accessed on January 20, 2023, https://pmsvanidhi.mohua.gov.in/Home/PMSDashboard.

[118] Report No. 10, Standing Committee on Housing and Urban Affairs: PM Street Vendor's AtmaNirbhar Nidhi (PM SVANidhi), Lok Sabha, December 2021, https://loksabhadocs.nic.in/lsscommittee/Housing%20and%20Urban%20Affairs/17_Housing_and_Urban_Affairs_10.pdf.

[119] 'MOHUA Joins Hands with Zomato to Take Street Food Vendors Online Under PM', Press Information Bureau, Ministry of Housing and Urban Affairs, February 4, 2021, https://pib.gov.in/Pressreleaseshare.aspx?PRID=1695263.

[120] Registration of Unorganized Workers begins across the Country as Government of India launches the e-Shram Portal, Press Information Bureau, Ministry of Labour & Employment, August 26, 2021, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1749294.

[121] E-SHRAM Dashboard, Ministry of Labour & Employment, last accessed on January 20, 2023, https://app.powerbi.com/view?r=eyJrIjoiNTRjOGEwMmEtYmJlMC00NGZkLWJkNDItNTgwZTA2MzBkZWNlIiwidCI6IjA2ZjUzMmJmLTk3NTItNGVjNi04Y2Y4LTIzYTM3YmM2ZDQ2MSJ9.

[122] Starred question no. 315, Lok Sabha, Ministry of Labour and Employment, August 8, 2022, https://pqals.nic.in/annex/179/AS315.pdf.

[123] Emergency Credit Line Guarantee Scheme, Press Information Bureau (Research Unit), June 10, 2022, https://static.pib.gov.in/WriteReadData/specificdocs/documents/2022/jun/doc202261063401.pdf.

[124] "Cabinet approves enhancement in the corpus of Emergency Credit Line Guarantee Scheme for increasing the limit of admissible guarantees", Press Information Bureau, Cabinet, August 17, 2022, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1852527.

[125] Unstarred Question No. 749, Lok Sabha, Ministry of Finance, December 12, 2022, https://pqals.nic.in/annex/1710/AU749.pdf.

[126] Notification S.O 1702(E), Ministry of Micro, Small and Medium Enterprises, Gazette of India, June 1, 2020, https://msme.gov.in/sites/default/files/MSME_gazette_of_india_0.pdf.

[127] "Udyam Portal of Ministry of MSME achieves landmark one crore registrations", Press Information Bureau, Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises, August 2, 2022, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1847452.

[128] "Scheme launched by government for MSMEs", Press Information Bureau, Ministry of Micro, Small, and Medium Enterprises, July 25, 2022, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1844602.

[129] "Cabinet approves USD 808 million for Raising and Accelerating MSME Performance", Press Information Bureau, Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises, March 30, 2022, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1811362.

[130] Production Linked Incentive (PLI) Schemes in India, Invest India, https://www.investindia.gov.in/production-linked-incentives-schemes-india.

[131] Unstarred Question No. 2391, Lok Sabha, Ministry of Commerce & Industry, December 21, 2022, https://pqals.nic.in/annex/1710/AU2391.pdf.

[132] "Cabinet approves Programme for Development of Semiconductors and Display Manufacturing Ecosystem in India", Press Information Bureau, Union Cabinet, December 15, 2021, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1781723.

[133] "Cabinet approves modifications in Programme for Development of Semiconductors and Display Manufacturing Ecosystem in India", Press Information Bureau, Union Cabinet, September 21, 2022, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1861129.

[134] "Modified Programme for Semiconductors and Display Fab Ecosystem", Website of Ministry of Electronics and Information Technology as accessed on January 11, 2023, https://www.meity.gov.in/esdm/Semiconductors-and-Display-Fab-Ecosystem.

[135] Modified Scheme for setting up of Semiconductor Fabs in India, Notification W-38/21/2022-IPHW, Ministry of Electronics and Information Technology, October 4, 2022, https://www.meity.gov.in/writereaddata/files/Notification%20Modified%20Scheme%20for%20Semiconductor%20Fabs.pdf.

[136] Unstarred Question No. 1221, Rajya Sabha, Ministry of Electronics and Information Technology, December 16, 2022, https://pqars.nic.in/annex/258/AU1221.pdf.

[137] "Semicon India takes a step forward with Acceptance of Applications for Semiconductor and Display Fabs", Press Information Bureau, Ministry of Electronics and Information Technology, February 19, 2022, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1799621.

[138] "PM expresses optimism after Government of Gujarat signs an MoU of ₹ 1.54 lakh crore with Vedanta-Foxconn Group for the manufacture of semiconductor and display fab", Press Information Bureau, Prime Minister's Office, September 13, 2022, https://pib.gov.in/PressReleseDetail.aspx?PRID=1858924.

[139] "Data Query By Principal Commodity", Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics, Ministry of Commerce and Industry, http://ftddp.dgciskol.gov.in/principalcommditysearch.html (accessed January 11, 2023)

[140] No. 31026/60/2020-Policy-DoP, Department of Pharmaceuticals, Ministry of Chemicals and Fertilisers, March 3, 2021, https://pharmaceuticals.gov.in/sites/default/files/Gazette%20Notification%20of%20PLI%20scheme%20for%20Pharmaceuticals_0_0.pdf

[141] Unstarred Question No. 623, Lok Sabha, Ministry of Chemicals and Fertilizers, December 9, 2022, https://pqals.nic.in/annex/1710/AU623.pdf.

[142] No. 31026/16/2020-Policy, Department of Pharmaceuticals, Ministry of Chemicals and Fertilizers, July 21, 2020, https://pharmaceuticals.gov.in/sites/default/files/Gazettee%20notification%20of%20bulk%20drug%20schemes_0_0.pdf.

[143] No. 31026/08/2020-MD., Department of Pharmaceuticals, Ministry of Chemicals and Fertilizers, July 21, 2020, https://pharmaceuticals.gov.in/sites/default/files/Gazette%20notification%20of%20Medical%20Device%20schemes_1.pdf.

[144] List of Applicants Approved under Production Linked Incentive Scheme for Promoting Domestic Manufacturing of Medical Devices", , Department of Pharmaceuticals, Ministry of Chemicals and Fertilizers, https://pharmaceuticals.gov.in/sites/default/files/List%20of%20approved%20applicants%20MD%20_0.pdf

[145] "Government has approved setting up of 7 Mega Integrated Textile Region and Apparel (PM MITRA पीएम मित्र) Parks with a total outlay of Rs. 4,445 crore in a period of 5 years", Press Information Bureau, Cabinet, October 6, 2021, https://www.pib.gov.in/PressReleseDetail.aspx?PRID=1761408.

[146] Operational Guidelines for PM Mitra Parks Scheme, Ministry of Textiles, January 15, 2022, https://texmin.gov.in/sites/default/files/PM_MITRA_Guidelines.pdf.

[147] Unstarred Question No. 2527, Lok Sabha, Ministry of Textiles, December 21, 2022, https://pqals.nic.in/annex/1710/AU2527.pdf.

[148] "Khadi Exceeds Turnover of Rs. 1 lakh crore in 2021-22; Beats all FMCG Companies in India", Press Information Bureau, Ministry of Micro, Small, & Medium Enterprises, April 30, 2022, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1821521.

[149] Unstarred Question No. 2285, Lok Sabha, Ministry of AYUSH, July 29, 2022, https://pqals.nic.in/annex/179/AU2285.pdf.

[150] About Startup India, Startup India, Department for Promotion of Industry and Internal Trade, https://www.startupindia.gov.in/content/sih/en/about-startup-india-initiative.html.

[151] Startup India, Department for Promotion of Industry and Internal Trade, last accessed on January 23, 2023, https://www.startupindia.gov.in/.

[152] "Government commits Rs. 7,385 core under Fund of Funds for Startup India Investment for 88 Alternative Investment Funds (AIfs); 720 startups supported by AIFs", Press Information Bureau, Ministry of Commerce & Industry, September 26, 2022, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1862374#:~:text=Fund%20of%20Funds%20for%20Startups,11%2C206%20crore%20in%20720%20startups.

[153] Unstarred Question No. 2508, Lok Sabha, Ministry of Commerce & Industry, December 21, 2022, https://pqals.nic.in/annex/1710/AU2508.pdf.

[154] Start-ups Intellectual Property Protection (SIPP) Scheme, National Research Development Corporation, as accessed on January 20, 2023, http://www.nrdcindia.com/NationalProjectDetail/4#:~:text=Start%2Dups%20Intellectual%20Property%20Protection%20(SIPP)%20scheme%20launched%20by,paying%20only%20the%20statutory%20fees.

[155] "Scheme for Intellectual Property (IP) protection revised to upgrade the professional charges of the facilitators", Press Information Bureau, Ministry of Commerce and Industry, December 2, 2022, https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1880465.

[156] Unstarred Question No. 2760, Lok Sabha, Ministry of Road Transport and Highways, December 22, 2022, https://pqals.nic.in/annex/1710/AU2760.pdf.

[157] Annual Report 2021-22, Ministry of Road Transport and Highways, https://morth.nic.in/sites/default/files/Annual%20Report_21-22-1.pdf.

[158] Starred Question No. 221, Lok Sabha, Ministry of Road Transport and Highways, December 22, 2022, https://pqals.nic.in/annex/1710/AS221.pdf.

[159] Indian Railways Year Book 2018-19, Railways Board, https://indianrailways.gov.in/railwayboard/uploads/directorate/stat_econ/Year_Book/Year%20Book%202018-19-English.pdf.

[160] Indian Railways Year Book 2020-21, Railways Board, https://indianrailways.gov.in/railwayboard/uploads/directorate/stat_econ/pdf/2022/Year%20Book%202020-21-English.pdf.

[161] Unstarred Question No. 2468, Lok Sabha, Ministry of Railways, December 21, 2022, https://pqals.nic.in/annex/1710/AU2468.pdf.

[162] Report no. 13, Standing Committee on Housing and Urban Affairs, 'Implementation of Metro Rail Projects – An Appraisal', Lok Sabha, July 19, 2022, https://loksabhadocs.nic.in/lsscommittee/Housing%20and%20Urban%20Affairs/17_Housing_and_Urban_Affairs_13.pdf.

[163] Implementation of Phase-III Delhi Mass Rapid Transit System by DMRC, Comptroller and Auditor General of India, December 2 2021, https://cag.gov.in/uploads/download_audit_report/2021/Report%20No.%2011%20of%202021_DMRC_English-061a88483a1f130.47012068.pdf.

[164] Unstarred Question No. 938, Lok Sabha, Ministry of Ports, Shipping, and Waterways, July 22, 2022, https://pqals.nic.in/annex/179/AU938.pdf.

[165] Report No. 319, Standing Committee on Transport, Tourism, and Culture, 'Progress made in the implementation of Sagarmala Projects', March 28, 2022, https://rajyasabha.nic.in/rsnew/Committee_site/Committee_File/ReportFile/20/166/319_2022_9_11.pdf.

[166] The National Waterways Act 2016, Ministry of Law and Justice, 2016, https://prsindia.org/files/bills_acts/bills_parliament/2015/National_Waterways_act,_2016_0.pdf.

[167] "Scheme to Promote Waterways in the Country", Press Information Bureau, Ministry of Ports, Shipping, and Waterways, August 2, 2022, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1847361.

[168] "Promotion of Inland Water Transport", Press Information Bureau, Ministry of Ports, Shipping, and Waterways, April 1, 2022, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1812303.

[169] Unstarred Question No. 1608, Lok Sabha, Ministry of Jal Shakti, December 15, 2022, https://pqals.nic.in/annex/1710/AU1608.pdf.

[170] "Cabinet approves Ken-Betwa Interlinking of Rivers Project", Press Information Bureau, Ministry of Jal Shakti, December 8, 2021, https://www.pib.gov.in/PressReleseDetail.aspx?PRID=1779307.

[171] Transmission overview, website of Ministry of Power, as accessed on January 12, 2023, https://powermin.gov.in/en/content/overview-0.

[172] Integrated Power Development Scheme, Ministry of Power, December 3, 2014, https://powermin.gov.in/sites/default/files/uploads/Integrated_Power_Development_Scheme.pdf.

[173] Unstarred Question No. 1920, Rajya Sabha, Ministry of Power, August 2, 2022, https://pqars.nic.in/annex/257/AU1920.pdf.

[174] The Indian Telecom Services Performance Indicators April – June 2022, Telecom Regulatory Authority of India, https://www.trai.gov.in/sites/default/files/QPIR_23112022.pdf.

[175] ICT Price Baskets Dashboard, 2021, International Telecommunication Union, as accessed on January 13, 2022, https://www.itu.int/en/ITU-D/Statistics/Dashboards/Pages/IPB.aspx.

[176] Extension of Tenure of the Production Linked Incentive Scheme for Large Scale Electronics Manufacturing, Ministry of Electronics and Information Technology, September 23, 2021, https://www.meity.gov.in/writereaddata/files/Extension%20of%20tenure%20of%20PLI%20LSEM_23.09.2021%281%29.pdf.

[177] Unstarred Question No. 1527, Rajya Sabha, Ministry of Electronics and Information Technology, July 29, 2022, https://pqars.nic.in/annex/257/AU1527.pdf.

[178] Unstarred Question No. 2395, Lok Sabha, Ministry of Communications, December 21, 2022, https://pqals.nic.in/annex/1710/AU2395.pdf.

[179] Unstarred Question No. 1206, Rajya Sabha, Ministry of Communications, December 21, 2022, https://pqars.nic.in/annex/258/AU1206.pdf.

[180] "Railway has taken up New Line projects for capital connectivity of remaining 5 States of North Eastern Region", Press Information Buruea, Ministry of Railways, December 7, 2022, https://www.pib.gov.in/PressReleseDetailm.aspx?PRID=1881394.

[181] Cabinet approves new Scheme "Prime Minister's Development Initiative for North East Region (PM-DevINE) for the remaining four years of the 15th Finance Commission from 2022-23 to 2025-26", Press Information Bureau, Union Cabinet, https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1867079.

[182] 'India's Stand at COP-26', Press Information Bureau, Ministry of Environment, Forest, and Climate Change, February 3, 2022, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1795071.

[183] 'Cabinet approves India's Updated Nationally Determined Contribution to be communicated to the United Nations Framework Convention on Climate Change', Press Information Bureau, Cabinet, August 3, 2022, https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1847812.

[184] Unstarred Question No. 1815, answered on December 22, 2022, Rajya Sabha, Ministry of Environment, Forest, and Climate Change, https://pqars.nic.in/annex/258/AU1815.pdf.

[185] Installed Capacity Report, Central Electricity Authority, December 2022, https://cea.nic.in/installed-capacity-report/?lang=en.

[186] Draft National Electricity Plan, Central Electricity Authority, September 2022, https://cea.nic.in/wp-content/uploads/irp/2022/09/DRAFT_NATIONAL_ELECTRICITY_PLAN_9_SEP_2022_2-1.pdf.

[187] 'India Submits its Long-Term Low Emission Development Strategy to UNFCCC', Press Information Bureau, Ministry of Environment, Forest, and Climate Change, November 14, 2022, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1875816.

[188] The Energy Conservation (Amendment) Bill, 2022, PRS Legislative Research, https://prsindia.org/billtrack/the-energy-conservation-amendment-bill-2022.

[189] The Energy Conservation (Amendment) Bill, 2022, Ministry of Power, August 3, 2022, https://prsindia.org/files/bills_acts/bills_parliament/2022/Energy%20Conservation%20(Amendment)%20Bill,%202022.pdf.

[190] The Electricity (Amendment) Bill, 2022, Ministry of Power, August 8, 2022, https://prsindia.org/billtrack/the-electricity-amendment-bill-2022.

[191] Green Energy Corridor, Ministry of New and Renewable Energy, https://mnre.gov.in/green-energy-corridor.

[192] Vahan 4 dashboard data ((Fuel and Vehicle Category data 2/3/4W) as accessed on October 17, 2022, https://vahan.parivahan.gov.in/vahan4dashboard/vahan/view/reportview.xhtml.

[193] "Fame India Scheme", Press Information Bureau, Ministry of Heavy Industries, July 9, 2019, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1577880.

[194] Unstarred Question No. 971, Lok Sabha, Ministry of Heavy Industries, December 13, 2022, https://pqals.nic.in/annex/1710/AU971.pdf.

[195] Ethanol Blended Petrol Programme, Ministry of Petroleum and Natural Gas, https://mopng.gov.in/en/refining/ethanol-blended-petrol.

[196] "India has achieved the target of 10 percent ethanol blending, 5 months ahead of schedule", Press Information Bureau, Ministry of Petroleum & Natural Gas, June 5, 2022, https://www.pib.gov.in/PressReleseDetail.aspx?PRID=1831289.

[197] National Policy on Biofuels-2018 Amendment, 2022, Ministry of Petroleum and Natural Gas, June 15, 2022, https://mopng.gov.in/files/article/articlefiles/Notification-15-06-2022-Amendments-in-NPB-2018.pdf.

[198] Website of Indian National Space Promotion and Authorization Centre (IN-SPACe), Department of Space, as accessed on January 12, 2023, https://www.inspace.gov.in/inspace?id=inspace_about_inspace.

[199] Unstarred Question No. 1091, Rajya Sabha, Department of Space, December 15, 2022, https://pqars.nic.in/annex/258/AU1091.pdf.

[200] New Space India Limited, Department of Space, https://www.nsilindia.co.in/sites/default/files/u1/NSIL%20Brochure%20Single%20pages.pdf.

[201] Annual Report 2020-21, New Space India Ltd, https://www.nsilindia.co.in/sites/default/files/NSIL%20Annual%20Report%202020-21%20-%20English.pdf.

[202] Unstarred question no. 683, answered on July 20, 2022, Lok Sabha, Department of Space, https://pqals.nic.in/annex/179/AU683.pdf.

[203] The Drone Rules, 2021, Ministry of Civil Aviation, August 25, 2021, https://egazette.nic.in/WriteReadData/2021/229221.pdf.

[204] Ministry of Civil Aviation notifies liberalised Drone Rules, 2021, Press Information Bureau, Ministry of Civil Aviation, August 26, 2021, https://pib.gov.in/PressReleseDetailm.aspx?PRID=1749154.

[205] "A series of reform measures undertaken to promote India's upcoming drone industry", Press Information Bureau, Ministry of Civil Aviation, December 8, 2022, https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1881767.

[206] Unstarred Question No. 814, Rajya Sabha, Ministry of Civil Aviation, July 25, 2022, https://pqars.nic.in/annex/257/AU814.pdf.

[207] Unstarred Question no. 3466, Lok Sabha, Ministry of Defence, August 5, 2022, https://pqals.nic.in/annex/179/AU3446.pdf.

[208] Defence Dashboard, Department of Defence Production, as accessed on January 11, 2023, https://srijandefence.gov.in/DashboardForPublic.

[209] Unstarred Question no. 1624, Lok Sabha, Ministry of Defence, December 16, 2022, https://pqals.nic.in/annex/1710/AU1624.pdf.

[210] Unstarred question no. 2168, Lok Sabha, Ministry of Defence, July 29, 2022, https://pqals.nic.in/annex/179/AU2168.pdf.

[211] Report No. 29, Standing Committee on Defence, 'Directorate of Ordnance (Coordination and Services) – New DPSUs, Defence Research and Development Organisation, Directorate General of Quality Assurance and National Cadet Corps', March 16, 2022, https://loksabhadocs.nic.in/lsscommittee/Defence/17_Defence_29.pdf.

[212] 'English translation of Prime Minister's remarks at the UNSC High-Level Open Debate on "Enhancing Maritime Security: A Case For International Cooperation" (August 9, 2021)', Press Information Bureau, Prime Minister's Office, August 9, 2021, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1744170.

[213] 'PM to chair UNSC High-Level Open Debate on "Enhancing Maritime Security: A Case For International Cooperation', Press Information Bureau, Prime Minister's Office, August 8, 2021, https://pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1743814.

[214] The Anti-Maritime Piracy Bill, 2019, Ministry of External Affairs, December 9, 2019, https://prsindia.org/files/bills_acts/bills_parliament/2019/The%20Anti-Maritime%20Piracy%20Bill,%202019.pdf.

[215] Report No. 6: The Anti-Maritime Piracy Bill, 2019, Standing Committee on External Affairs (2020-21), February 11, 2021, https://prsindia.org/files/bills_acts/bills_parliament/2019/17_External_Affairs_6.pdf.

[216] CG-DL-E-19022021-225276, Ministry of Commerce and Industry, February 19, 2021, https://dpiit.gov.in/sites/default/files/Notification-J%26K-NewPolicy-23February2021.pdf.

[217] 'Industrial Policy for J&K', Press Information Bureau, Ministry of Home Affairs, April 6, 2022, https://www.pib.gov.in/PressReleasePage.aspx?PRID=1814121#:~:text=The%20Government%20of%20India%20has,(Upto%20the%20year%202037)..

[218] 'Eradication of Left Wing Extremism', Press Information Bureau, Ministry of Home Affairs, December 21, 2022, https://pib.gov.in/PressReleseDetail.aspx?PRID=1885482.

[219] Unstarred Question no. 2286, Rajya Sabha, Ministry of Home Affairs, March 23, 2022, https://www.mha.gov.in/MHA1/Par2017/pdfs/par2022-pdfs/RS23032022/2286.pdf.